Carpenter's monthly newspaper

कारपेंटर्स न्यूज

www.carpentersnews.com

R.N.I.No.MAHHIN/2005/16460 | Postel Regd. No. MCW/321/2025-27
Posted at Delisle Road, Mumbai-400013. On 20th of Every month | Published on Every 10 th day of the month

मासिक समाचार पत्र

मुंबई | मई 2026 | वर्ष : 21 | अंक : 06 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

एशिया की प्रसिद्ध प्लाईवुड फैक्ट्री सरकारी संपत्ति घोषित .... पेज - 2

सियोल के होटल में भविष्य के इंसानों के लिए बना सुपर बेड

दक्षिण कोरिया के सियोल के एक होटल में रखा गया बेड इन दिनों चर्चा में है। यह सामान्य बिस्तर नहीं, बल्कि भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया एक अनोखा डिजाइन है। आरवाईएसई ऑटोग्राफ कलेक्शन होटल में तैयार किया गया यह खास बेड BED 2525 नाम से जाना जाता है। इसे एमएससीएचएफ ने डिजाइन किया है, जो अपने अनोखे प्रोजेक्ट्स के लिए मशहूर है।

इस बेड की सबसे बड़ी खासियत इसकी लंबाई है, जो सामान्य बिस्तरों से ज्यादा है। डिजाइनर्स का मानना है कि भविष्य में इंसानों की लंबाई और शारीरिक बनावट बदल सकती है, ऐसे में रहने और सोने की जरूरतें भी अलग होंगी।

यह बेड होटल के क्यूरेटर सुइट में रखा गया है। इस सुइट में आधुनिक कला के इंस्टॉलेशन और डिजाइन देखने को मिलते हैं। यहां ठहरने वाले मेहमानों को सिर्फ रहने की सुविधा नहीं, बल्कि एक अलग तरह का क्रिएटिव अनुभव मिलता है। होटल प्रबंधन के मुताबिक इस प्रोजेक्ट का मकसद लोगों को भविष्य के डिजाइन और बदलती जरूरतों के बारे में सोचने के लिए प्रेरित करना है। होटल अपने अनोखे कॉन्सेप्ट जोन के लिए जाना जाता है, जहां हर कमरे को कलाकारों के साथ मिलकर तैयार किया गया है।

फर्नीचर मॉल पर ताबड़तोड़ फायरिंग, लॉरेंस गैंग कनेक्शन की जांच में जुटी पुलिस

पुणे। महाराष्ट्र के पिंपरी-चिंचवड में उस वक्त दहशत फैल गई, जब बाइक सवार दो हमलावरों ने एक फर्नीचर मॉल पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। हमलावरों ने दो पिस्तौलों से पांच से छह राउंड गोलियां चलाईं और मौके से फरार हो गए। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक फायरिंग की इस घटना का संबंध लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े शूटरों से बताया जा रहा है। सोशल मीडिया के जरिए पहले ही जान से मारने की धमकी दी गई थी और गैंग से जुड़े होने का दावा भी किया गया था। बताया जा रहा है कि आरोपी शुभम लोणकर से जुड़े हुए हैं।

एशिया की प्रसिद्ध प्लाईवुड फैक्ट्री सरकारी संपत्ति घोषित

सीतापुर। हुसैनगंज स्थित एशिया की प्रसिद्ध प्लाईवुड फैक्ट्री को सरकारी संपत्ति घोषित किया गया है। इस संबंध में जिलाधिकारी कोर्ट ने सुनवाई बाद आदेश जारी किया। खैराबाद ब्लॉक के हुसैनगंज में 5.697 हेक्टेयर में वर्ष 1939 में मेसर्स प्लाईवुड प्रोडक्ट्स की स्थापना की गई थी। यह मिल 21 सितंबर 2001 से बंद है। इसे राज्य सरकार में निहित करने की कवायद कई दिनों से चल रही थी।

जिलाधिकारी डॉ राजा गणपति आर की कोर्ट में इस संबंध में एक वाद की सुनवाई चल रही थी। डीएम ने इस मामले में सुनवाई करते हुए आपत्तिकताओं सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, सीमा जफरुल्ला, आबिद जफर, आदिल जफर, सत्यनारायण व जगदीश चंद्र, खाजिस्ता हैदर और प्लाईवुड कर्मचारी संगठन की आपत्तियों को खारिज कर दिया।

आदेश में कहा गया है कि इस फैक्ट्री की जमीन को हड़पने का प्रयास करने के साथ ही कुछ हिस्से का मुआवजा भी लिया गया। यह अपराध की श्रेणी में आता है और वसूली योग्य है। इन तर्कों के साथ डीएम कोर्ट ने फैक्टरी भवन को सरकारी संपत्ति घोषित करने का आदेश दिया है।

360 करोड़ था वार्षिक टर्नओवर

एक समय में इस प्लाईवुड फैक्टरी में 24 घंटे काम होता था। इसमें एक एक हजार श्रमिक तीन शिफ्टों में काम करते थे। उस दौर में फैक्टरी का हर महीने का टर्न ओवर 30 करोड़ रुपये और वार्षिक टर्नओवर 360 करोड़ रुपये से भी अधिक था। यहां का तैयार माल देश के साथ साथ आस्ट्रेलिया, नेपाल व भूटान में भी भेजा जाता था। यहां तैयार उत्पाद की गुणवत्ता पूरे एशिया में प्रसिद्ध थी।

प्लाईवुड फैक्टरी की जमीन को सरकारी संपत्ति घोषित किया गया है। इस आदेश को सुनाते समय उच्च न्यायालय के निर्णय की कोई अवमानना नहीं हुई। जल्द ही फैक्टरी भवन की जमीन पर एक बड़ी जनोपयोगी परियोजना आकार लेगी।

– डॉ राजा गणपति आर, डीएम सीतापुर

फर्नीचर बाजार में आग लगने से दुकानें जलकर खाक

नोएडा। फर्नीचर बाजार में भीषण आग लगने से आठ दुकानें जलकर खाक हो गईं। मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि थाना बिसरख क्षेत्र के शाहबेरी फर्नीचर बाजार में आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद कई केंद्रों से दमकल की करीब 30 गाड़ियों को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। उन्होंने कहा कि आग सबसे पहले एक पॉलिथीन की दुकान में लगी और देखते ही देखते उसने विकराल रूप धारण कर लिया। आग में आठ दुकानें जलकर खाक हो गईं। थिनर, पेंट और वार्निश जैसी ज्वलनशील सामग्री होने के कारण आग तेजी से फैल गई।

RNI NO. MAHHIN/2005/16460

कारपेंटर्स न्यूज़

कारपेंटर्स न्यूज में विज्ञापन या प्रतियों के लिए **9320566633** पर संपर्क करें।
Email: carpentersnews@gmail.com

मुंबई | मई 2026 | वर्ष : 21 | अंक : 06 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

टीएमटी सरिया के ब्रांड एंबेसडर बने राणा

लखनऊ। प्रीमियम स्टील ब्रांड आरएचएल प्रोफाइल्स लिमिटेड ने अपने 71वें वर्ष में प्रवेश पर बॉलीवुड अभिनेता आशुतोष राणा को आरएचएल गोल्ड 550 एचडी टीएमटी सरिया का ब्रांड एंबेसडर घोषित किया है। अपनी दमदार शख्सियत और भरोसेमंद छवि के लिए मशहूर आशुतोष राणा ने कहा कि हर मजबूत निर्माण के लिए गुणवत्ता और विश्वास जरूरी है, जिसके प्रति आरएचएल समर्पित है।

EVERY DOOR DESERVES A
dorsët
MORE SAFE. MORE SECURE.
dorsët MITRON
Saath Umar Bhar Ka!

डॉर्सेट रिम लॉक

सुरक्षा भी पक्की,
रिवॉर्ड्स भी तगड़े।

बस लगाओ,
स्कैन करो...
और इनाम कमाओ!

आज ही रजिस्टर करें
और पहले स्कैन के साथ
250
बोनस अंक
सुनिश्चित करें

PAN/
AADHAR
से लॉयल्टी
प्रोग्राम
जॉइन करें।

डोरसेट मित्रों ऐप डाउनलोड करने के लिए स्कैन करें

मित्रों वीडियो देखने के लिए स्कैन करें

हमें फॉलो करें:

Dorset India

MITRON HELPDESK SUPPORT
1800 2022 434
mitronsupport@dorsetindia.com

पूर्वांचल महोत्सव का भव्य आयोजन

मुंबई में बसता है छोटा पूर्वांचल - सीएम फडणवीस

मुंबई। पूर्वांचल की संस्कृति, विचार, लोक परंपरा, साहित्य, कला और सामाजिक चेतना को समर्पित माटी संस्था की ओर से पूर्वांचल महोत्सव माटी-9 मुंबई का आयोजन मुंबई विश्वविद्यालय के कालिना कैंपस स्थित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में किया गया। मुख्य अतिथि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि देश के आध्यात्मिक केंद्र पूर्वांचल का देश की आर्थिक राजधानी मुंबई से यह संगम केवल सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की आत्मा और उसकी विकास यात्रा का एक सशक्त प्रतीक है। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल ने देश को संत, साहित्यकार, विचारक, वैज्ञानिक, योद्धा और कर्मयोगी दिए हैं और आज भी देश की प्रगति में पूर्वांचल की प्रतिभाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि पूर्वांचल केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि भारत की चेतना, संस्कार और सांस्कृतिक ऊर्जा का केंद्र है। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल की मिट्टी ने सदियों से देश को विचार, अध्यात्म, संघर्ष और राष्ट्र सेवा की प्रेरणा दी है। आज देश के विभिन्न क्षेत्रों में पूर्वांचल के लोग अपनी प्रतिभा और कर्मनिष्ठा से भारत निर्माण की नई इबारत लिख रहे हैं।

वरिष्ठ सांसद और माटी संस्था के संरक्षक जगदंबिका पाल ने कहा कि माटी संस्था लगातार उन प्रतिभाओं और व्यक्तित्वों को सम्मानित करने का कार्य कर रही है, जिन्होंने अपनी मेहनत, प्रतिभा और सामाजिक योगदान से राष्ट्र को नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल की मिट्टी में जन्मे लोगों ने देश के हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है और माटी उनके योगदान को सम्मानित करने का कार्य कर रही है।

अपने स्वागत वक्तव्य में माटी संयोजक आसिफ आजमी ने कहा कि माटी संस्था पूर्वांचल की संस्कृति, साहित्य, कला और सामाजिक सरोकारों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि संस्था केवल सांस्कृतिक आयोजनों तक सीमित नहीं है बल्कि अब जल्द ही दिल्ली-एनसीआर में एक पूर्वांचल सांस्कृतिक केंद्र की स्थापना करने जा रहा है। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री आशीष शेलार, विधायक राजहंस सिंह, विधायक संजय उपाध्याय विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। माटी सम्मान सत्र के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली पूर्वांचल की नौ विभूतियों को माटी सम्मान-9 से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के अंत में लोगों ने पूर्वांचली व्यंजनों बाटी-चोखा, पूड़ी-सब्जी, लौंगलता, ठेकुआ और अन्य पारंपरिक स्वादों का आनंद लिया। मुंबई की धरती पर आयोजित यह महोत्सव पूर्वांचल की सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक ऊर्जा और राष्ट्रीय योगदान का एक यादगार उत्सव बन गया।

मजदूरों के लिए संघर्ष जारी रहेगा– भाई जगताप

मुंबई। कामगार नेता विधायक भाई जगताप ने कहा कि हम केंद्र सरकार के मजदूरों के लिए लाए गए गलत कानूनों के खिलाफ लड़ने के लिए हमेशा तैयार हैं और आने वाले समय में इस काले कानून के खिलाफ लड़ाई शुरू की जाएगी, हम मजदूरों के संघर्ष के लिए हमेशा तैयार हैं।

मजदूर दिवस के अवसर पर बांद्रा (पश्चिम) स्थित रंगशारदा हॉल में आयोजित कामगारों की सभा में उन्होंने कहा कि हमारी यूनियन किसी की मोनोपॉली नहीं है। हमारी यूनियन में साढ़े छह लाख मजदूर सदस्य हैं और यह मजदूरों द्वारा मजदूरों के लिए चलाई जाने वाली यूनियन है। इस यूनियन में जो भी पदाधिकारी थे, वे भी मजदूर ही थे। हमारी यूनियन ने आज तक एक भी हड़ताल नहीं की है। हमने मैनेजमेंट और मजदूरों से जुड़कर हर कंपनी में एग्रीमेंट साइन किया है।

हमारी यूनियन इस लक्ष्य पॉलिसी के साथ काम कर रही है कि मजदूरों की सैलरी तभी बढ़ेगी जब कंपनी में प्रोडक्शन बढ़ेगा। मुंबई महाराष्ट्र में ही रहे, इसके लिए संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन में लड़ते हुए 106 शहीदों ने अपनी जान कुर्बान कर दी। इसमें 72 माथाडी मजदूरों समेत बड़ी संख्या में मजदूर थे। आज केंद्र सरकार और राज्य सरकार तय करेगी कि मजदूरों की यूनियन किसके हाथ में दी जाएगी। वे मजदूरों के हक में नहीं, बल्कि मालिकों के हक में फैसले लेते हैं। हम इसका खुलकर विरोध करते हैं और करते रहेंगे।

भारतीय कामगार सेना के अध्यक्ष सांसद अरविंद सावंत ने कहा कि भले ही हमारी पार्टियां अलग-अलग हों, लेकिन मजदूरों के प्रति हमारा नजरिया और लक्ष्य नीति एक ही है। मजदूर हमारी जाति हैं और उन्हें न्याय देना हमारा धर्म है। हमें लगा था कि जब केंद्र सरकार ने कश्मीर में आर्टिकल 370 हटाया तो कुछ अच्छा होगा, लेकिन आज उनके दोस्त अडानी और अंबानी कश्मीर में जमीन खरीद रहे हैं।

महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष हर्षवर्धन सकपाल ने कहा कि एजुकेशन राइट, एम्प्लॉयमेंट गारंटी, मनरेगा, जैसे सारे कानून कांग्रेस ने लाए थे, इसलिए लोगों को रोजगार मिला। आज क्या हालत है, इस सरकार में दो लोग देश बेचते हैं और दो उद्योगपति देश खरीदते हैं। उन्होंने हमें धर्म नाम की अफीम की गोली दी है। जब हम यह गोली लेते हैं, तो हमें सिर्फ धर्म दिखता है, जिसमें हम फंस जाते हैं और हिंदू, मुस्लिम, ओबीसी, एससी, दलित और ऊंची जातियों के बीच लड़ रहे हैं।

सीआईटीयू के कांग्रेस के स्टेट वाइस प्रेसिडेंट डी एल कराड ने कहा कि मजदूरों को गुलाम बनाने की साजिश कभी कामयाब नहीं होगी। नहीं तो हम आपको खत्म किए बिना नहीं रहेंगे। मजदूर इस देश को चलाने का काम करते हैं। सेंटर में दो लोग देश नहीं चला सकते। आज देश के दस परसेंट सबसे अमीर लोगों के पास 70 परसेंट दौलत है। आज हम कहां जा रहे हैं? हमें इस बारे में सोचना चाहिए। 2014 से पहले मजदूरों के हित में फैसले होते थे। लेकिन आज मालिक के हक में फैसले हो रहे हैं। कार्यक्रम में सदाभाई चव्हाण, दिलीप दादा जगताप, एस आर सावंत, सुधाकर सावंत, अनंत जाधव आदि ने भी विचार रखे।

महिला सशक्तिकरण से देश का होगा विकास

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि देश का आगे सचमुच विकास करना है तो देश की आधी आबादी को भी उसका अधिकार देना होगा। दादर (पूर्व) योगी सभागृह में नारी शक्ति विचार मंच की ओर से आयोजित नारी शक्ति महिला सम्मेलन में उन्होंने कहा कि 33 प्रतिशत महिला आरक्षण से देश में नई क्रांति की शुरूआत होगी। नारी शक्ति के बलबूते भारत तेजी से विकास करेगा। उन्होंने कहा कि भारत के इतिहास में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने महिला आरक्षण को लेकर बहुत प्रयास किया लेकिन सरकार को अन्य दलों का समर्थन नहीं मिला। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने प्रयास किया मगर इच्छाशक्ति की कमी थी। फड़नवीस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरकार बनने के बाद ही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान से महिलाओं के विकास का काम शुरू किया। सरकार को लिंग समानुपात पर सफलता मिली। उन्होंने कहा कि विकसित भारत में महिलाओं का योगदान जरूरी है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपना योगदान दे रही हैं। सेना, स्पेस सब जगह महिलाओं की भागीदारी देख रही है। महिला आरक्षण से संसद में महिला सांसदों की संख्या बढ़ेगी जिससे देश तेजी से तरक्की करेगा।

फिल्म अभिनेत्री रवीना टंडन ने मोदी सरकार के काम की तारीफ करते हुए कहा कि आज की सरकार सिर्फ. बातें नहीं करती, करके दिखाती है। महिलाओं के अधिकारों के लिए भारत सबसे अच्छा देश है। क्योंकि, कुछ देशों में महिलाओं के अधिकार नहीं के बराबर हैं। यह सिर्फ. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वजह से मुमकिन हो पाया है। हम महिलाओं को एयर फोर्स, आर्मी में काली-चंडी का रूप देखते हैं। महिला अकाउंटेंट जो बाहर जाकर मेहनत करती हैं, पैसा कमाती हैं, वे सब लक्ष्मी हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने हमें वह ताकत दी है, जिससे हम पार्लियामेंट में भी अपनी आवाज उठा सकते हैं और देश को तरक्की की ओर ले जाएंगे।

अभिनेत्री प्राजक्ता माली ने कहा अगर मैं कुछ साल पहले पैदा हुई होती, तो यह मुश्किल होता, मैं यह नहीं कर पाती। कुछ साल पहले औरतें बहुत मुश्किल में थीं। लेकिन, पिछले कुछ सालों में महिलाओं को आगे लाने के लिए कई स्कीम और कोशिश की गई हैं। समारोह में प्रज्ञा पोनसे, स्नेहलता स्वामी, रूबल नागी, अर्चना कोचर, गायिका वैशाली सावंत आदि ने भी अपने विचार रखे।

हम सभी उस एक ही सर्वशक्तिमान की संतान हैं: हरि चैतन्य पुरी

कामवन। हरि कृपा आश्रम तीर्थराज विमल कुंड के संस्थापक स्वामी हरि चैतन्य पुरी महाराज ने कहा कि सार्थक जन्म उसी का है जिसका जीवन उत्थान की ओर हो पतन की ओर नहीं। परमात्मा एक है उनके नाम उपासना विभिन्न हो सकते हैं, हम सभी उस एक ही सर्वशक्तिमान की संतान है जो जीव मात्र का परम सुहृदय व हितैषी है। कर्म के साथ उसमें पूर्ण व दृढ़ विश्वास करो। प्रभु की कृपा निश्चय ही समस्त बंधनों, समस्त विपत्तियों व समस्त कठिनाइयों से उबार लेगी। कैसा भी पापी यदि प्रभु शरण में आ जाए तो वे उसे साधु या भक्त बना लेते हैं।

उसे सनातन शांति मिल जाती है। उस भक्त का कभी पतन नहीं होता व उनकी कृपा सारे संकटों से अनायास ही उभार लेती हैं। यदि प्रयास के साथ ईश्वर की महानता पर भी विश्वास हो तो निश्चय ही हम दुखों से मुक्त हो सकते हैं। अपने सुख दुख, सांसारिक प्राणियों के सामने रोने के बजाए सतगुरु या परमात्मा के सामने ही रोना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्र प्रथम है। राष्ट्र है, तो हम हैं। हम सब कुछ बाद में हैं। पहले एक भारतीय है। आज जब युद्ध के बादल मंडरा रहे हैं तो हम सभी का पुनीत कर्तव्य हो जाता है कि हम सभी समस्त प्रकार की संकीर्णताओं व मतभेदों को त्यागकर आपसी प्रेम, एकता, सद्भाव, सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखें। हम राष्ट्र के 140 करोड़ नागरिक यदि एकजुट व संगठित हों तो किसी की ताकत नहीं जो हमारी भारत माता की ओर बुरी नजर डाल सकें। यह रामकृष्ण, महावीर स्वामी, गुरु नानक, गुरु गोविंद सिंह व बुद्ध की भूमि है युद्ध की नहीं। हमने कभी युद्ध नहीं चाहा हम पर हमेशा युद्ध थोपे गए हैं, और जब भी दुश्मन ने हम पर युद्ध थोपा उसे करारा जवाब मिला है उसे मुंह की खानी पड़ी हैं। अभी यदि पाक नापाक हरकतों से बाज नहीं आया तो अपनी बबार्दी का कारण खुद होगा। उन्होंने कहा कि तीर्थ स्थलों, उपासना स्थलों, प्राकृतिक रमणीय स्थलों, हिमालय इत्यादि में शांति मिलती है लेकिन उस शांति को बरकरार रखना या ना रखना हमारे ऊपर निर्भर करता है। परमात्मा का स्मरण मात्र मुख से नहीं, साथ ही हृदय से यदि हो तो विशेष लाभदायक होता है। धर्म से, गुरु से या किसी संत से अथवा परमात्मा से यदि आप जुड़े हैं तो आपका और भी उत्तरदायित्व हो जाता है कि आपके खानपान, रहन सहन, बोलचाल, व्यवहार, आचरण व स्वभाव आदि से लगे कि आप धर्म, सतगुरु या परमात्मा से जुड़े हो। पापाचार, अनाचार तथा बुराइयों को त्याग कर सत्कार्य करें तभी हमारा सत्संग में आना, मंदिरों, तीर्थों तथा विभिन्न धर्मस्थलों में आना, पूर्ण सार्थक होगा। उन्होंने कहा कि अधर्माचरण करने वाले कुमार्गगामी लोगों का संग त्याग कर जितेन्द्रिय, श्रेष्ठ, महापुरुषों का संग व उनकी सेवा करके अपने जीवन की कल्याणमय बनाये। क्योंकि सत्पुरुषों का आचरण व कार्य सदैव अनुकरणीय होता है। पशु-पक्षी तुल्य मात्र अपने तक ही सीमित ना रहे अपितु दूसरों के भी काम आए दूसरों का दुख दर्द समझें। किसी भी प्रकार से किसी को दुख या कष्ट न पहुंचाएं। जो सुख का अभिमानी दूसरों को दुख में देखकर प्रसन्न होता है उसे एक दिन स्वयं भी दुखी होना पड़ता है। प्रभु प्रेम में आंसू बहाने वाले को दुख में आंसू नहीं बहाने पड़ते। जीवों पर करूणा व दया बरसाएं। पूर्ण रुपेण अहिंसा व्रत का पालन करें।

जायका इंडिया का

मेक्सिकन स्टाइल मिक्स स्प्राउट्स चाट

सामग्री - भीगे हुए मिक्स स्प्राउट्स-1/2 कप, उबले स्वीट कॉर्न-1/4 कप, बारीक कटा प्याज-1/2 छोटा, बारीक कटा टमाटर-1/2 छोटा, बारीक कटा खीरा-1, नीबू का रस-1/2 छोटा चम्मच, चाट मसाला-1/2 छोटा चम्मच, चिली फ्लेक्स-1/2 छोटा चम्मच, नमक-स्वादानुसार, ऑरेगेनो-1/2 छोटा चम्मच, काली मिर्च पाउडर-1/2 छोटा चम्मच, बारीक कटा हरा धनिया-आवश्यकतानुसार

विधि - कच्चे स्प्राउट्स इस्तेमाल करने से पहले दो से तीन बार साफ पानी से अच्छे से धो लें ताकि उनकी गंध निकल जाए और वे एकदम फ्रेश लगें। अब एक बाउल में सारे स्प्राउट्स और कॉर्न डालें। अब इसमें प्याज, टमाटर, खीरा डालें। ऊपर से नींबू का रस डालें। अब काला नमक, चाट मसाला, ऑरेगेनो, चिली फ्लेक्स, काली मिर्च पाउडर डालें। हरा धनिया डालें और तुरंत परोसें।

सेहत

ये पांच चीजें संभलकर खाएं

चीनी – सफेद चीनी सुक्रोज से बनी होती है और खाली कैलोरी का यह आम स्रोत है। दिल्ली के अशोक अस्पताल के संस्थापक-निदेशक और वरिष्ठ कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. आलोक चोपड़ा के अनुसार, रिफाइंड शुगर, नशे की लत लगाने वाली और शरीर में सूजन पैदा करने वाली है।

स्वस्थ विकल्प– गुड़, कच्चा शहद, खजूर।

मैदा – मैदे में फाइबर व पोषण की कमी होती है। शरीर में इसका असर चीनी की तरह होता है।

स्वस्थ विकल्प – बाजरा, चोकरयुक्त गेहूं, ओट्स, बेसन, बादाम का आटा।

नमक – खाए जाने वाले सफेद नमक से खनिज निकाल लिए जाते हैं, इसमें ऐसे रसायन मिलाए जाते हैं, जो सेहत के लिए फायदेमंद नहीं हैं।

स्वस्थ विकल्प – सेंधा नमक, हिमालयन साल्ट, कुदरती धूप में सुखाया गया समुद्री नमक।

रिफाइंड तेल – रिफाइंड तेल रासायनिक रूप से निकाले जाते हैं और अत्यधिक सूजन पैदा करने वाले होते है।

स्वस्थ विकल्प – कोल्ड-प्रेस्ड (कच्ची घानी) सरसों का तेल, मूंगफली का तेल, नारियल तेल, घी।

पॉलिश चावल – इनका ग्लाइसेमिक इंडेक्स अधिक व पोषण मूल्य कम होता है।

स्वस्थ विकल्प – हाथ से कूटा चावल, ब्राउन राइस।

होंठ सूखना, सिर भारी... डिहाइड्रेशन के खतरनाक संकेत

पानी सिर्फ प्यास बुझाने का काम नहीं करता बल्कि शरीर के तापमान को नियंत्रित रखने, पोषक तत्वों को पहुंचाने, पाचन बेहतर बनाने और शरीर से विषैले पदार्थ बाहर निकालने में भी अहम भूमिका निभाता है। हमारा शरीर लगभग 60 से 70 प्रतिशत तक पानी से बना होता है। गर्मी के मौसम, ज्यादा पसीना आने, उल्टी-दस्त, कम पानी पीने या लंबे समय तक धूप में रहने से शरीर में पानी का स्तर तेजी से गिर सकता है, जिसे डिहाइड्रेशन कहा जाता है। वहीं, कई लोगों को पानी ना के बराबर पीने की आदत होती है, जिसके कारण यह समस्या हो सकती है। जब शरीर में पानी की कमी होने लगती है, तो यह स्थिति डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है। अगर समय रहते इसके संकेतों को न पहचाना जाए, तो यह गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है।

अगर आपको बार-बार पानी पीने का मन कर रहा है और गला सूखा महसूस हो रहा है, तो यह शरीर में पानी की कमी का संकेत हो सकता है। शरीर जब पानी की कमी महसूस करता है, तो दिमाग प्यास के जरिए शरीर को संकेत देता है कि उसे तुरंत तरल पदार्थ की जरूरत है। इसके अलावा डिहाइड्रेशन होने पर मुंह चिपचिपा लगने लगता है और होंठ फटने लगते हैं।

पेशाब का रंग गहरा होना

स्वस्थ शरीर में पेशाब का रंग हल्का पीला होता है। लेकिन अगर पेशाब गहरे पीले या भूरे रंग का आने लगे और उसकी मात्रा भी कम हो जाए, तो यह डिहाइड्रेशन का स्पष्ट संकेत हो सकता है। शरीर पानी बचाने के लिए कम मात्रा में पेशाब बनाता है।

सिरदर्द और चक्कर आना

शरीर में पानी की कमी होने पर दिमाग तक ऑक्सीजन और जरूरी पोषक तत्वों की सप्लाई प्रभावित हो सकती है। इससे सिरदर्द, कमजोरी और चक्कर आने जैसी समस्या हो सकती है। कई लोगों को अचानक खड़े होने पर आंखों के सामने अंधेरा सा छाने लगता है।

थकान और कमजोरी, त्वचा का रूखा होना

अगर बिना ज्यादा मेहनत किए भी शरीर थका हुआ महसूस हो, तो इसके पीछे पानी की कमी हो सकती है। पानी शरीर की कोशिकाओं को ऊर्जा पहुंचाने में मदद करता है। इसकी कमी से शरीर सुस्त और कमजोर महसूस करने लगता है।

डिहाइड्रेशन का असर त्वचा पर भी साफ दिखाई देता है। त्वचा बेजान और रूखी लगने लगती है। अगर त्वचा को हल्का खींचने पर वह तुरंत सामान्य स्थिति में वापस न आए, तो यह भी शरीर में पानी की कमी का संकेत माना जाता है।

दिल की धड़कन तेज होना

शरीर में पानी कम होने पर ब्लड वॉल्यूम घटने लगता है, जिससे दिल को रक्त पंप करने में ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। ऐसे में हार्टबीट तेज हो सकती है और बेचैनी महसूस हो सकती है।

कब्ज की समस्या

पानी की कमी पाचन तंत्र को भी प्रभावित करती है। पर्याप्त पानी न मिलने पर आंतें मल को आसानी से बाहर नहीं निकाल पातीं, जिससे कब्ज की शिकायत होने लगती है।

ध्यान लगाने में परेशानी

डिहाइड्रेशन का असर मानसिक स्थिति पर भी पड़ता है। व्यक्ति को ध्यान केंद्रित करने में दिक्कत हो सकती है, मूड खराब रह सकता है और चिड़चिड़ापन बढ़ सकता है। बच्चों और बुजुर्गों में यह समस्या ज्यादा देखने को मिलती है।

कब हो सकती है स्थिति खतरनाक?

अगर डिहाइड्रेशन बहुत ज्यादा बढ़ जाए, तो व्यक्ति बेहोश भी हो सकता है। तेज बुखार, लगातार उल्टी-दस्त, अत्यधिक पसीना या लंबे समय तक पानी न पीना गंभीर स्थिति पैदा कर सकता है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी होता है।

डिहाइड्रेशन से कैसे बचें?

दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। गर्मियों में बाहर निकलते समय पानी की बोतल साथ रखें। नारियल पानी, नींबू पानी और फलों का सेवन बढ़ाएं। ज्यादा कैफीन और शराब से बचें, क्योंकि ये शरीर में पानी की कमी बढ़ा सकते हैं। उल्टी-दस्त होने पर ड्रिप का सेवन करें। शरीर समय-समय पर कई संकेत देता है। जरूरी है कि हम उन्हें नजरअंदाज न करें।

NIKHIL
ADHESIVES LTD.
Mahacol®
SINCE 1971
MAHACOL
JODEY DIL SE,
CHIPKEY MAZBOOTI SE.
GOLD
MAHAQUICK
Mahacol
SINCE 1971
QUICK DRYING
ADHESIVES
German Technology

संयम और स्वदेशी ही है भारत का सनातन आर्थिक मंत्र और यंत्र

ईरान अमेरिका इजराइल द्वारा शुरू किये गए युद्ध, होर्मुज स्ट्रेट में डबल नाकाबंदी और उससे उपजे वैश्विक मंदी और इकोनॉमिक्स के मेटा इफेक्ट के कारण दुनिया के हालात संकट में हैं। इन संकटों के बीच भारत आज एक ऐसे दौर से गुजर रहा है जहाँ प्रधानमंत्री मोदी द्वारा शूरू किये गए आर्थिक राष्ट्रवाद, आत्मनिर्भरता और जिम्मेदार उपभोग केवल नारे नहीं बल्कि राष्ट्रीय आवश्यकता बन चुके हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से सोना खरीदने में संयम बरतने, पेट्रोलियम उत्पादों के उपयोग को कम करने, स्वदेशी को बढ़ावा देने और अनावश्यक आयात पर निर्भरता घटाने की जो अपील की गई, वह केवल एक सामान्य आर्थिक सलाह नहीं है; बल्कि एक कुटुंब प्रबोधन की तरह भारत की दीर्घकालिक आर्थिक सुरक्षा, विदेशी मुद्रा संतुलन और आत्मनिर्भर विकास मॉडल का महत्वपूर्ण संकेत आवाहन था।

हालांकि जनमानस में यह प्रश्न दौड़ रहा है की होर्मुज की नाकाबंदी अगर मार्च में ही शूरू हुई थी तो इसका आवाहन इतना देर से क्यों और बीते २ माह में सरकार ने इससे लड़ने के लिए कौन सी नीतियां बनाई क्या तैयारियां कीं ? बंगाल और असम चुनाव की शोर में कहीं इस संकट की आहट सुनने में विलंब तो नहीं हुआ? फिर भी देर आये दुरुस्त आये की तर्ज पर हमें इस आवाहन को गंभीरता से लेना चाहिए।

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, लेकिन इसके बावजूद हमारी कई बुनियादी जरूरतें अभी भी आयात पर आधारित हैं। विशेष रूप से कच्चा तेल, खाद्य तेल और सोना ये तीन ऐसे क्षेत्र हैं जो भारत के आयात बिल पर भारी दबाव डालते हैं। ऊर्जा के मामले में तो हम लगभग 85 फीसदी दूसरों पर निर्भर है और इस समय ऊर्जा का ही सप्लाई चेन संकट में आ गया है। यदि देश को वास्तव में विकसित राष्ट्र बनना है, तो केवल उत्पादन बढ़ाना पर्याप्त नहीं होगा, उपभोग की संस्कृति और आर्थिक व्यवहार में भी परिवर्तन लाना पड़ेगा।

जैसे भारत में सोना केवल धातु नहीं बल्कि परंपरा, सामाजिक प्रतिष्ठा और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। विवाह, त्योहार और पारिवारिक निवेश का बड़ा हिस्सा सोने में जाता है। लेकिन आर्थिक दृष्टि से देखा जाए तो एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है क्या अत्यधिक सोना खरीदना राष्ट्र की अर्थव्यवस्था के लिए लाभकारी है? मेरे विचार से यदि सोना अर्थव्यवस्था में सक्रिय रूप से उपयोग नहीं हो रहा, उत्पादन या व्यापार में नहीं लग रहा, बैंकिंग प्रणाली में नहीं आ रहा और केवल लॉकरों में बंद पड़ा है, तो वह एक प्रकार का ह्रमृत निवेशह्व बन जाता है। क्योंकि वह पूंजी अर्थव्यवस्था में गति नहीं पैदा करती। जब कोई व्यक्ति सोना खरीदता है, तो उसका बड़ा हिस्सा आयात के माध्यम से विदेशों से आता है। इसका अर्थ है कि देश की विदेशी मुद्रा बाहर जाती है। दूसरी ओर यदि वह पैसा उद्योग, स्टार्टअप, शेयर बाजार, कृषि प्रसंस्करण, विनिर्माण या इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश हो, तो वह रोजगार पैदा करता है, उत्पादन बढ़ाता है और कर राजस्व भी उत्पन्न करता है। यह कहना गलत नहीं होगा कि अत्यधिक निष्क्रिय सोना भारतीय अर्थव्यवस्था की उत्पादन क्षमता को सीमित करता है। इसलिए सरकार द्वारा गोल्ड बॉन्ड, डिजिटल गोल्ड और गोल्ड मोनेटाइजेशन जैसी योजनाएँ लाने का उद्देश्य भी यही है कि सोना आर्थिक परिसंचरण में आए। और जब संकट का समय हो तो आभूषण से ज्यादा यह चीज मायने रखती है की हम सेविंग और उत्पादकीय निवेश बढ़ाएं, सोने का वह हिस्सा जो सिर्फ आभूषण के लिए है उसे कुछ दिनों तक टाला जा सकता है। हालांकि सोने के कारीगरों का क्या होगा यह भी एक चिंता खड़ी है ।

भारत अपने कुल पेट्रोलियम उपभोग का बड़ा हिस्सा आयात करता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें बढ़ते ही भारत का आयात बिल बढ़ जाता है, रुपया दबाव में आता है और महंगाई भी बढ़ती है। पेट्रोल-डीजल केवल वाहन चलाने तक सीमित नहीं हैं, परिवहन महंगा होने से खाद्यान्न, निर्माण सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुएं भी महंगी हो जाती हैं। ऐसी स्थिति में प्रधानमंत्री की यह अपील कि देशवासी पेट्रोलियम उत्पादों का विवेकपूर्ण उपयोग करें, अत्यंत व्यावहारिक और दूरदर्शी है। यह केवल ईंधन बचाने का प्रश्न नहीं बल्कि आर्थिक संप्रभुता का विषय भी है।

यदि प्रत्येक परिवार छोटी-छोटी आदतें बदल दे जैसे अनावश्यक वाहन उपयोग कम करना, सार्वजनिक परिवहन अपनाना, कार पूल करना, इलेक्ट्रिक वाहन की ओर बढ़ना, स्थानीय वस्तुओं का उपयोग करना तो इसका सामूहिक प्रभाव बहुत बड़ा हो सकता है। मान लीजिए देश के करोड़ों परिवार यदि प्रतिदिन थोड़ी मात्रा में ईंधन बचाएँ, तो सालाना अरबों डॉलर की विदेशी मुद्रा बचाई जा सकती है। यही धन देश के इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, स्वास्थ्य और रक्षा क्षेत्र में लगाया जा सकता है।

भारत में लंबे समय तक उपभोग आधारित अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा विदेशी ब्रांडों और आयातित वस्तुओं की ओर झुकता गया। लेकिन अब विश्व व्यवस्था बदल रही है। अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध, रूस-यूक्रेन संघर्ष, वैश्विक सप्लाई चेन संकट और महामारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि किसी भी देश के लिए अत्यधिक आयात निर्भरता खतरनाक हो सकती है। ऐसे समय में स्वदेशी का अर्थ केवल भावनात्मक राष्ट्रवाद नहीं बल्कि रणनीतिक आर्थिक सुरक्षा होनी चाहिए। जब हम स्थानीय उत्पाद खरीदते हैं, तो केवल वस्तु नहीं खरीदते, हम किसी भारतीय किसान, छोटे उद्योग, मजदूर, ट्रांसपोर्टर और व्यापारी की आय को मजबूत करते हैं। स्थानीय उत्पादन बढ़ने से रोजगार बढ़ता है और आर्थिक शक्ति देश के भीतर घूमती रहती है। यदि भारतीय उपभोक्ता स्वदेशी वस्तुओं को प्राथमिकता देंगे, तभी भारतीय उद्योग वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूत हो पाएँगे।

वैसे भी भारतीय सभ्यता का मूल दर्शन अनियंत्रित उपभोग नहीं बल्कि संतुलित जीवन रहा है। पश्चिमी मॉडल में अत्यधिक उपभोग को आर्थिक विकास का आधार माना गया, लेकिन भारतीय चिंतन हमेशा जरूरत आधारित जीवन पर बल देता रहा। आज पर्यावरण संकट, जलवायु परिवर्तन और संसाधनों की

सीमाएँ यह सिद्ध कर रही हैं कि असीमित उपभोग का मॉडल टिकाऊ नहीं है। यदि भारत अपनी पारंपरिक मितव्ययिता और आधुनिक आर्थिक रणनीति को जोड़ दे, तो वह दुनिया को एक वैकल्पिक विकास मॉडल दे सकता है ऐसा मॉडल जिसमें विकास हो लेकिन संसाधनों का संतुलित उपयोग भी हो।

कोरोना काल में भी हमने देखा कि अनावश्यक खर्च कम होने पर परिवारों की बचत बढ़ी। लोगों ने स्थानीय वस्तुओं, घर के भोजन और सीमित उपभोग की ओर वापसी की। इससे यह स्पष्ट हुआ कि आर्थिक अनुशासन केवल सरकार की नीतियों से नहीं बल्कि नागरिकों की जीवनशैली से भी आता है।

इस हालात में जनता के साथ-साथ सरकार को भी कुछ बड़े कदम उठाने होंगे। इलेक्ट्रिक वाहनों और सार्वजनिक परिवहन को और सस्ता व सुलभ बनाना। इथेनॉल मिश्रण और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना। खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता के लिए तिलहन उत्पादन बढ़ाना। सोने को वित्तीय परिसंपत्ति के रूप में अर्थव्यवस्था में लाने हेतु आकर्षक योजनाएं बनाना। छोटे उद्योगों और स्थानीय विनिर्माण को कर व वित्तीय सहायता देना। ह्वलोकल फॉर वोकलह्व को केवल अभियान नहीं बल्कि बाजार संरचना का हिस्सा बनाना। सरकारी आयोजनों और कार्यक्रमों में एक जिला एक खाद्य पदार्थों और रक जिला एक उत्पादों वाले आइटम का ही उपयोग करना।

संकटकाल में नागरिकों की भूमिका भी सबसे महत्वपूर्ण हो जाती है। किसी भी राष्ट्र की आर्थिक शक्ति केवल सरकार से नहीं बनती। जनता की आदतें और आर्थिक व्यवहार भी राष्ट्र निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। यदि नागरिक यह सोचकर खरीदारी करें कि उनका खर्च देश की अर्थव्यवस्था पर क्या प्रभाव डालेगा, तो भारत की आर्थिक दिशा बदल सकती है। हर व्यक्ति यदि थोड़ा कम आयातित उपभोग करे, थोड़ा कम ईंधन खर्च करे, थोड़ा अधिक बचत को उत्पादक निवेश में लगाए और थोड़ा अधिक स्वदेशी अपनाए तो इसका सामूहिक परिणाम बहुत बड़ा होगा।

प्रधानमंत्री की अपील को केवल एक राजनीतिक बयान के रूप में नहीं देखना चाहिए। यह भारत के लिए एक नए आर्थिक अनुशासन का आह्वान है। आने वाले समय में वही देश मजबूत होंगे जो उत्पादन, ऊर्जा, खाद्य और वित्तीय सुरक्षा में आत्मनिर्भर होंगे। भारत के पास विशाल बाजार, युवा शक्ति, कृषि क्षमता और उद्यमशीलता है। आवश्यकता केवल इस बात की है कि देश उपभोग आधारित दिखावटी विकास से आगे बढ़कर उत्पादक और आत्मनिर्भर विकास की ओर बढ़े।

सोना तिजोरी में बंद रहने के बजाय अर्थव्यवस्था में सक्रिय पूंजी बने, पेट्रोलियम का विवेकपूर्ण उपयोग हो, स्वदेशी उत्पादन और उपभोग को बढ़ावा मिले तथा नागरिक जिम्मेदार आर्थिक व्यवहार अपनाएं यही विकसित भारत की वास्तविक नींव हो सकती है। सनातन सत्य के रूप में त्याग, संयम और स्वदेशी ही भारत का सदियों से आर्थिक मंत्र और ऐसे संकटों से लड़ने का यंत्र रहा है। इस मौजूदा संकट में यही मंत्र और यंत्र का प्रयोग कर इस हालात से लड़कर जीत पाएंगे।

– पंकज जायसवाल

HARRISON®
Glorious 75+ Years
कारपेन्टर
सुविधा
स्कीम
बंपर
मुनाफा
कारपेन्टर
सुविधा स्कीम
में भाग लें और पाएं
ढेरों इनाम!
रजिस्टर करने के लिए
QR कोड
स्कैन करें
सुविधा APP
बनो हरीसन का
Mr. आनंद
रहो हमेशा आनंद में
विजेता
विजेता
विजेता
विजेता
विजेता
विजेता
विजेता
टोल फ्री नंबर : 1800-572-5795 | भरोसा सुरक्षा का
www.harrisonlocks.com | email : info@harrisonlocks.com
नॉट:- ऊपर दर्शायी गई फोटो सिर्फ उपहार को दर्शाने हेतु है मिलने वाला उपहार इनमे से भिन्न हो सकता है : रंग मॉडल इत्यादि।
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:-
95992 81937

HARRISON®
Glorious 75+ Years

हरीसन प्रोडक्ट पॉइंट अर्जित करने का तरीका किया और भी आसान

मात्र क्यू आर कोड को स्कैन करने पर पाएं उपहार

हरीसन का नया QR स्कैनिंग फीचर – कारपेंटर्स के लिए आसान इनाम!

देश के भरोसेमंद ब्रांड हरीसन ने कारपेंटर्स के लिए QR स्कैनिंग फीचर लॉन्च किया है, जिससे उपहार जीतना अब और भी आसान हो गया है।

कारपेंटर्स को हरीसन प्रोडक्ट की पैकिंग में दिए गए QR कोड को स्कैन करना है, और उनके रजिस्टर्ड प्रोफाइल पर पॉइंट्स अपने आप जुड़ जाएंगे। अब प्रोडक्ट की कट्टिंग संभालने की जरूरत नहीं, बस स्कैन करें और इनाम पाएं ।

यह पहल कारपेंटर्स की सहूलियत और प्रोत्साहन के लिए की गई है। हरीसन हमेशा अपने कारीगरों के साथ खड़ा है!

उपहार जीतने की प्रक्रिया

स्टेप 1 — मोबाइल मे हरीसन सुविधा एप्लीकेशन डाउनलोड करे, और अपनी ID बनाकर लॉगिन करे।

स्टेप 2 — प्रोडक्ट पैक के अंदर लगे QR CODE को सुविधा एप्लीकेशन मे स्कैन करे और MRP के बराबर पॉइंट इकट्ठा करे।

स्टेप 3 — दिये गये 7 उपहार के आधार पर अपने पॉइंट REDEEM करे, और उपहार जीते

Suvidha
iSoftCare Technology

प्ले स्टोर पर (HARRISON SUVIDHA APP) सर्च कर के हरीसन लोगो एप्लीकेशन अपने फ़ोन मे इनस्टॉल करे।

हरीसन कारपेंटर्स महासम्मेलन

विजेता

हरीसन ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज़ द्वारा आयोजित "हरीसन कारपेंटर्स महासम्मेलन" का भव्य आयोजन संपन्न हुआ, जिसमें सैकड़ों दक्ष कारपेंटर्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह कार्यक्रम कारीगरों के समर्पण, मेहनत और उत्कृष्टता को सम्मानित करने हेतु आयोजित किया गया था। आयोजन में हरीसन के वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र, उपहार व विशेष सम्मान प्रदान किए। मंच पर डिज़ाइन innovation, आधुनिक उपकरणों के उपयोग और Quality work पर संवाद हुआ। साथ ही, कंपनी ने अपने आगामी उत्पादों की झलक भी प्रस्तुत की। यह महासम्मेलन हरीसन की उस भावना को दर्शाता है जिसमें वह अपने कारपेंटर्स को केवल भागीदार नहीं, बल्कि अपने परिवार का अहम हिस्सा मानता है। यह आयोजन हर वर्ष नई प्रेरणा लेकर आता है।

विजेता

#harrison_carpentermeet

Advt

हंसराज विश्वकर्मा को यूपी सरकार में लघु सूक्ष्म एवं मध्यम उद्योग की जिम्मेदारी

पीडीए के नरेटिव को ध्वस्त करने भाजपा ने खेला दांव

वाराणसी। उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार में भाजपा वाराणसी के जिला अध्यक्ष और एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा लघु सूक्ष्म एवं मध्यम उद्योग राज्य मंत्री बनाया गया है। हंसराज विश्वकर्मा अप्रैल 2023 से एमएलसी हैं। इसके अलावा वह निरंतर तीन बार से भारतीय जनता पार्टी के वाराणसी से जिला अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। आगामी 2027 के विधानसभा चुनावों को देखते हुए भारतीय जनता ने पार्टी ने उन्हें योगी सरकार में राज्य मंत्री बनाकर बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। बीते चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को वाराणसी जनपद में शानदार जीत दिलाने में राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका मानी जा रही है। इसके अलावा वह कार्यकताओं के बीच बेहद मिलनसार व्यक्तित्व के लिए पहचाने जाते हैं। खास बात यह है कि काशी के सांसद और देश के प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी के भी वह अत्यंत प्रिय हैं।

हंसराज के माध्यम से भाजपा प्रदेश में पांच प्रतिशत विश्वकर्मा समाज के लोगों को साधने का प्रयास करेगी। वह पिछले 10 वर्ष से लगातार जिलाध्यक्ष और तीन वर्ष से एमएलसी हैं। वैसे इस उपलब्ध के पीछे हंसराज विश्वकर्मा का पार्टी के प्रति समर्पण भी है। प्रदेश में भाजपा की मुख्य विपक्षी अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी लगातार पीडीए को बात करती है। वह हर मंच से भाजपा को पिछड़ी जाति विरोधी सिद्ध करती है। इसी नेरेटिव के तहत हाल ही में गाजीपुर में विश्वकर्मा समाज की एक किशोरी के आत्महत्या को सपा ने हत्या और दुष्कर्म से जोड़ दिया। योगी सरकार ने इस मामले में हंसराज विश्वकर्मा को आगे रखा और किशोरी के परिवार को उनके हाथों सहायता दिलवाई। भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के काशी क्षेत्र उपाध्यक्ष सोमनाथ विश्वकर्मा बताते हैं कि पूर्वांचल में गाजीपुर, जौनपुर, आजमगढ़, कौशांबी, सोनभद्र समेत प्रदेश को 25 विधानसभा सीटों पर विश्वकर्मा समाज की बहुलता है। ऐसे में हंसराज विश्वकर्मा को मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व विस चुनाव में भाजपा को विश्वकर्मा समाज में मजबूत पकड़ देगा। वाराणसी जिले के चितईपुर कंचनपुर के रहने वाले हंसराज विश्वकर्मा 1989 में भाजपा से जुड़कर बूथ कार्य देखने लगे। इसके बाद श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। 2006 में जिला कार्यकारिणों में शामिल हुए। 2014 में मोदी के यहां से सांसद चुने जाने के बाद 2016 में उन्हें वाराणसी जिला का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। यह तब से अभी तक लगातार तीसरी बार अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। भाजपा ने वर्तमान में पूरे प्रदेश में अध्यक्षों को घोषणा कर दी है लेकिन 90 दावेदार होने के बावजूद पार्टी हंसराज पर ही भरोसा किया है। तीन अप्रैल 2023 में एमएलसी भी बनने के बाद से ही चर्चा की कोई नया जिला अध्यक्ष चुना जाएगा।

विश्वकर्मा समाज को जोड़ती रही है भाजपा

विश्वकर्मा समाज काफी समय से भाजपा से जुड़ा रहा है। इसके बावजूद समाज को जोड़ने के लिए समय-समय पर भाजपा प्रयास करती रही है। हंसराज विश्वकर्मा को पहले एमएलसी बनाया। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समाज के लिए पीएम विश्वकर्मा सम्मान योजना शुरू की। इसके तहत कर्मकारों को प्रशिक्षण, टूलकिट, आर्थिक सहायता आदि दी जाती है। इसी कड़ी में अब हंसराज अब मजबूती देंगे। हंसराज विश्वकर्मा शिल्प अनुसंधान एवं विकास संस्थान उत्तर प्रदेश के संरक्षक भी है।

भागवत कथा ज्ञान यज्ञ 17 मई से

लोदा। श्री विश्वकर्मा वाटिका लोदा में 17 मई से प्रवासी बंधु सुथार समाज मेवल क्षेत्र द्वारा आयोजित संगीतमय श्रीमद भागवत ज्ञान यज्ञ को लेकर समाज बंधुओं में उत्साह और खुशी की लहर है। समाजसेवी प्रवीण सुथार ने बताया कि कथावाचक श्रील भक्ति वेदांत विष्णु महाराज के सानिध्य में होने जा रहे भव्य कार्यक्रम को लेकर श्री विश्वकर्मा वाटिका में विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर समाज बंधुओं द्वारा तैयारियां की जा रही है ' इससे पहले ईडाणा माताजी में सुथार समाज की नवनिर्मित धर्मशाला व बेंगलुरु में प्रवासी समाज बंधुओं की मीटिंग सम्पन्न हुई और कार्यक्रम को लेकर विस्तृत विचार विमर्श हुआ, जिसमें समाज बंधुओं ने अपने अपने विचार रखे और विभिन्न कार्यों को लेकर समाज जनों को जिम्मेदारियां सौंपी गई'

शैक्षिक कल्याण के मिशन मोड पर विश्वकर्मा लाइब्रेरी

जम्मू। श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी न्यू प्लॉट जम्मू की एक टीम ने सामुदायिक जागरूकता मिशन के लिए तहसील अखनूर के गांव गंधरवा और संघानी और तहसील मेरा मन्द्रिआं के गांव गोधन का दौरा किया। गांव गंधरवा में जम्मू पुंछ हाईवे पर विश्वकर्मा टी स्टॉल के मालिक सतपाल वर्मा (बिट्टू) के साथ बैठक हुई। लगभग बारह परिवारों को विश्वकर्मा पत्रिका व कैलेण्डर वितरित किये गये। जिन लोगों से संपर्क किया गया, उनमें वेद प्रकाश, ओम प्रकाश, रवि कुमार, शीतल वर्मा, मेला राम वर्मा, रतन लाल वर्मा, विजय वर्मा पुत्र चुनी लाल, सूरज प्रकाश, कृष्ण लाल, राज कपूर, कैप्टन संतोख राम वर्मा शामिल थे। संघानी में शोभा राम (ठेकेदार), रामकेश वर्मा, सूरज प्रकाश, संजय कुमार आदि के घर पर बैठक हुई। स्थानीय जरूरतमंद छात्रों के लिए रामकेश वर्मा को नोट बुक सौंपी गई, लगभग सात परिवारों को पत्रिका और कैलेंडर भी वितरित किए गए। इसके बाद टीम गांव गोधन के लिए रवाना हुई और शाम

लाल वर्मा (सरपंच) के बेटे नरेश कुमार के घर में बैठक की। शाम लाल वर्मा को उनके संघर्ष और उपलब्धियों के लिए याद किया गया। शाम लाल एक स्नातक और बहुत दूरदर्शी नेता थे, जिनके प्रयासों से उनकी बहू शिल्पा वर्मा 2018 में सरपंच का चुनाव जीत गईं थीं। यहां भी दस से अधिक विश्वकर्मा परिवारों को उनके परिवार के सदस्यों की उपस्थिति में पत्रिकाएं, कैलेंडर और नोट बुक वितरित की गईं। टीम में बलवंत कटारिया, ओम कटारिया और प्रीतम लाल वर्मा शामिल थे। गोधन गांव जम्मू शहर से लगभग 50 किलोमीटर दूर एक सुदूर और पहाड़ी इलाका है। गोधन में बच्चों से बात करते हुए बलवंत कटारिया ने कहा कि श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी पूरे जम्मू प्रांत में छात्र समुदाय के शैक्षिक कल्याण के लिए एक मिशन मोड पर काम कर रही है। यहाँ कुल 10 जिले हैं जिनका क्षेत्रफल बिखरा हुआ व पहाड़ी है।

जम्मू। प्रदेश विश्वकर्मा सभा, जम्मू और कश्मीर की ओर से मुख्य कार्यालय, विश्वकर्मा मंदिर परिसर गुढ़ा बख्शी नगर में एक बैठक बुलाई गई, जिसमें शशि वर्मा के अध्यक्ष पद पर पांच साल पूरे होने के बाद उनके इस्तीफे के कारण सभा के नए अध्यक्ष का चयन करना था। इस बैठक में कई विश्वकर्मा मंदिरों के प्रतिनिधियों को भी बुलाया गया। शशि वर्मा के इस्तीफे के बाद सभा के चेयरमैन रतनलाल चरगोत्रा ने शशि वर्मा को काम देखने और चुनाव कराने के लिए एक महीने का समय दिया था।

आर. के. चलोत्रा प्रदेश विश्वकर्मा सभा के अध्यक्ष मनोनीत

इसके बाद एक चुनाव समिति बनाई गई जिसके अध्यक्ष एड. अमरजीत चारगोत्रा थे और सदस्यों में बलदेव मालपोत्रा (प्रोप नेक होटल), कुलदीप राज, डिगिआना से परशोतम कुमार, एड.अश्वनी अंगोत्रा, राजिंदर कुमार (प्रशासनिक अधिकारी सेवानिवृत्त) और सुभाष चंदर लेक्ररर शामिल थे। खौड़ से तारसेम लाल वर्मा, मिश्रीवाला से पुरुषोत्तम चारगोत्रा (पूर्व अध्यक्ष) और डिगिआना से पुरुषोत्तम कुमार ने भाग लिया। शुरूआत में दर्शन सिंह (अध्यक्ष प्रचार समिति) और जनक राज

(अध्यक्ष भगवती नगर इकाई) ने सुझाव दिया कि शशि वर्मा को इस पद के लिए तीसरा कार्यकाल दिया जाना चाहिए। लेकिन आर. एल. चरगोत्रा (चेयरमैन) सामने आए कि सभा के संविधान द्वारा तीसरे कार्यकाल की अनुमति नहीं है। अंत में कठुआ इकाई के महासचिव रविकांत वर्मा ने प्रदेश सभा के अध्यक्ष पद के लिए राज कुमार चलोत्रा के नाम का प्रस्ताव रखा। इस प्रस्ताव का आरएस पुरा इकाई के अध्यक्ष कृष्ण सभरबाल, विश्वकर्मा सभा गुढ़ा बख्शी नगर जम्मू के अध्यक्ष राकेश चलोत्रा, कठुआ इकाई के अध्यक्ष कर्तार नाथ वर्मा, प्रेम नाथ, विजय कुमार, परशोतम कुमार, दर्शन सिंह और रवि वर्मा (पूर्व अध्यक्ष) ने समर्थन किया। राज कुमार चलोत्रा को सर्वसम्मति से प्रदेश विश्वकर्मा सभा का नया अध्यक्ष और जोईगिंदर पॉल को महासचिव नामित किया गया। शशि वर्मा को सभा का उपचेयरमैन घोषित किया गया। इस मौके पर सोनिया वर्मा, वंदना सागर चारगोत्रा, महिला शाखा अध्यक्ष भी उपस्थित रही।

कॉन्क्लेव में डिफेंस से जुड़े लोगों का गहन मंथन

ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की स्वदेशी डिफेंस ताकत दिखाई

मुंबई। पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद का मुंहतोड़ जवाब देने के लिये एक साल पहले किये गये ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की स्वदेशी सैन्य क्षमता का दुनिया लोहा मान रही है। हालांकि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता अब भारत का सिर्फ.एक आर्थिक मकसद नहीं है, बल्कि यह एक रणनीतिक राष्ट्रीय जरूरत बन चुका है। यह बात ब्रम्हा रिसर्च फाउंडेशन की ओर से भारतीय नौसेना के सपोर्ट से, मुंबई के ताज लैंड्स एंड में आयोजित डिफेंस में आत्मनिर्भरता झ्एमएसएमई के लिए मौके विषय पर एक हाई-लेवल कॉन्क्लेव में कही गई जिसमें देश के कुछ जाने माने रक्षा अधिकारी, पॉलिसी मेकर, रक्षा विशेषत्र, वैश्विक ईओएम और उद्योगों के प्रमुख लोग मौजूद थे। ऑपरेशन सिंदूर के एक साल पूरे होने पर भारत के तेजी से विकसित हो रहे स्वदेशी डिफेंस इकोसिस्टम पर चर्चा के दौरान यह बात सामने आई कि कैसे ब्रह्मोस, आकाश तीर और भारतीय र४-30टडकजैसे स्वदेशी सिस्टम ने भारत के रणनीतिक आत्मविश्वास और ऑपरेशनल तैयारी को काफी मजबूत किया।

इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ के चीफ, एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने ऑपरेशन सिंदूर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की बढ़ती स्वदेशी सैन्य क्षमता और रणनीतिक इरादे का एक खास उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट अब 39,000 करोड़ रुपये को पार कर गया है, जबकि हाल ही में मंजूर किए गए 5 लाख करोड़ से ज्यादा के डिफेंस प्रोजेक्ट्स में भारत में बने सिस्टम और स्वदेशी मैन्युफैक्चरिंग पर खास ध्यान दिया गया है। भविष्य में होने वाले युद्धों के बारे में एयर मार्शल दीक्षित ने कहा कि रणनीतिक बेहतरी मजबूत सप्लाई चेन, तेजी से इनोवेशन, स्केलेबल मैन्युफैक्चरिंग और मजबूत एमएसएमई भागीदारी पर निर्भर करेगी। उन्होंने कहा कि आधुनिक लड़ाइयों को न सिर्फ. लड़ाकू विमान और युद्धपोत जैसे प्लेटफॉर्म से, बल्कि अक साइबर युद्ध, ऑटोनॉमस सिस्टम, ड्रोन, एडवांस इलेक्ट्रॉनिक्स और इंडस्ट्रियल रेजिलिएंस से भी आकार मिलेगा। एमएसएमई को भारत के भविष्य के डिफेंस इकोसिस्टम की रीढ़ बताते हुए, उन्होंने सेवा प्रदाताओं से नेशनल सिक्योरिटी में लॉन्ग-टर्म पार्टनर बनने की अपील की।

महाराष्ट्र सरकार के डेवलपमेंट कमिश्नर (इंडस्ट्रीज) और मैत्री के चेयरमैन दीपेंद्र सिंह कुशवाहा ने डिफेंस और एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग में महाराष्ट्र की बढ़ती ताकत पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र भारत के हथियारों और गोला-बारूद के प्रोडक्शन में लगभग 30% का योगदान देता है, 190 से ज्यादा एयरोस्पेस और डिफेंस स्टार्टअप होस्ट करता है और इस सेक्टर में 10 बिलियन डॉलर से ज्यादा का निश्चित निवेश देखा जा रहा है। उन्होंने प्रस्तावित रक्षा कॉरिडोर, इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार और नीतिगत सुधार के बारे में भी जानकारी दी, जिनका मकसद महाराष्ट्र को एक लीडिंग डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग डेस्टिनेशन बनाना है।

उन्होंने यह भी बताया कि भविष्य के युद्ध के मैदान सिर्फ. पारंपरिक प्लेटफॉर्म से ही नहीं, बल्कि साइबर, स्पेस, अक कम्युनिकेशन सिस्टम, सिमुलेशन टेक्नोलॉजी और मजबूत सप्लाई चेन से भी चलेंगे। उन्होंने स्वदेशी मैन्युफैक्चरिंग, अपग्रेड, एमआरओ, एवियोनिक्स, ड्रोन, रडार और अगली पीढ़ी की डिफेंस टेक्नोलॉजी के जरिए एमएमएसई के लिए उभर रहे बड़े मौकों पर भी जोर दिया। ऑपरेशन सिंदूर पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि भारत का बढ़ता स्वदेशी डिफेंस इकोसिस्टम अब स्ट्रेटेजिक ऑटोनॉमी और भविष्य की तैयारी के लिए जरूरी है।

एयर मार्शल तेजिंदर सिंह ने युद्ध के तेजी से बदलते नेचर और भारत के लिए एयरोस्पेस और डिफेंस सेक्टर में स्वदेशी क्षमता को तेजी से विकसित करने की तुरंत जरूरत पर फोकस किया गया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भविष्य के युद्ध के मैदान साइबर क्षमताओं, स्पेस टेक्नोलॉजी, अक-इनेबल्ड सिस्टम, मजबूत कम्युनिकेशन नेटवर्क, सिमुलेशन टेक्नोलॉजी और एडवांस मैन्युफैक्चरिंग से कैसे तेजी से चलेंगे। उन्होंने ड्रोन, एवियोनिक्स, रडार, एमआरओ, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और अगली पीढ़ी के डिफेंस सिस्टम में एमएसएमई के लिए उभर रहे बड़े मौकों पर भी जोर दिया।

डिफेंस में आत्मनिर्भरता पर एक पैनल डिस्कशन हुआ, जिसमें छ&ळ के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और प्रमुख (पीईएस) आईसी अरुण रामचंदानी ने बताया कि डिफेंस में स्ट्रेटेजिक ऑटोनॉमी सिर्फ. मजबूत स्वदेशी आर एंड डी, इनोवेशन और स्केलेबल मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम से ही मिल सकती है। उन्होंने स्टार्टअप, एमएसएमई और बड़ी इंडस्ट्रीज को एक ऐसे संयुक्त रक्षा तंत्र से जोड़ने की जरूरत पर जोर दिया, जो वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी तकनीक और प्लेटफॉर्म बनाने में सक्षम हो।

मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड के शिपबिल्डिंग डायरेक्टर बीजू जॉर्ज ने वॉरशिप और सबमरीन मैन्युफैक्चरिंग में एमएसएमई के लिए उभरते बड़े मौकों पर जोर दिया, जिसमें 200 से ज्यादा छोटे और मझोले उद्योगों पहले से ही अहम नौसेना प्रोजेक्ट्स में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने भारत के स्वदेशी मैरिटाइम डिफेंस इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए लॉन्ग-टर्म प्रोक्योरमेंट विज़िबिलिटी, तेज पेमेंट, क्वालिटी अपग्रेडेशन और मजबूत सप्लाई चेन के महत्व पर जोर दिया।

सफ्रान इंडिया के सीईओ जितेंद्र गावणकर ने एक सस्टेनेबल और ग्लोबली कॉम्पिटिटिव एयरोस्पेस इकोसिस्टम बनाने के लिए स्वदेशीकरण को अंतरराष्ट्रीय सहयोग देने के साथ बैलेंस करने के महत्व के बारे में बात की। टीकेएमएस इंडिया के श्री खलील रहमान ने कहा कि एमएसएमई, इनोवेशन और तेजी से समस्याओं को दूर करने क्षमताओं के जरिए ही हम सबमरीन और मैरिटाइम डिफेंस इकोसिस्टम को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएंगे। डिपार्टमेंट ऑफ मिलिट्री अफेयर्स के एडिशनल सेक्रेटरी वाइस एडमिरल अतुल आनंद ने घरेलू खरीद, डिफेंस इनोवेशन और स्वदेशी मैन्युफैक्चरिंग की ओर सरकार के मजबूत कदम पर जोर दिया।

ब्राह्मणीय शैलोत्कीर्ण स्थापत्य कला का जोगेश्वरी गुफा

मुंबई। जोगेश्वरी गुफा मुंबई की सबसे पुरानी गुफाओं में से एक हैं। मुंबई की धरोहर और अतीत के वैभव के खजाने के रूप में पहचान बनाने वाली इस गुफा के विषय कहा जाता है कि बौद्ध भिक्षुओं और हिंदू पुजारियों ने इसकी नक्काशी की थी। बाजार के भीड़-भाड़ से भरी हुई सड़क से जुड़ी एक पतली सी गली जोगेश्वरी गुफा के द्वार तक ले जाती है। गली के शुरू में ही एक सीमेंट से बना दीप-स्तम्भ है। दूसरी तरफ गुफा के बारे में सूचना देने वाला एक शिलालेख है, जिससे पता चलता है कि इस गुफा का उत्खनन छठवीं सदी ईस्वी में किया गया था। यह अग्र मंडप, मुखमंडप और गर्भगृह से युक्त है। यह गुफा वाकाट व वाकटकोत्तर स्थापत्य शैली से प्रेरित है। कुछ विद्वानों के मतानुसार यह गुफा कोंकण के मौर्य कलचुरियों (त्रैकूटक) के संरक्षण में उत्खनित की गई है।

इस गुफा में लकुलीश, कल्याण की सुंदर मूर्ति, द्यूत क्रीड़ा रत शिव-पार्वती, नटराज, रावणानुग्रह मूर्ति, आयुध पुरुष, द्वारपाल इत्यादि प्रतिमाओं का सुंदर उत्कीर्ण किया गया है। इस गुफा की समानता अजंता की गुफा संख्या- 01 और एलोरा की गुफा संख्या- 29 (डुमरलेण) से की जाती है। स्थापत्य शैली में इस गुफा को ब्राह्मणीय शैलोत्कीर्ण स्थापत्य कला का उत्कृष्ट उदाहरण माना जाता है।

मुख्य गुफा के दरवाजे के पास करीब दस स्तंभों वाला एक लंबा सा कॉरिडोर है, जिसके एक तरफ दो मंजिली गुफा जैसा है। बीच का भाग ध्वस्त होकर आंगन जैसा हो गया है। गुफा में शिव मंदिर, गणेश मंदिर के साथ ही साथ एक हनुमान मंदिर भी है, जिसका रास्ता एक बड़े से आंगन से हो कर जाता है, जिसके दोनों तरफ निकास द्वार है। गुफा में प्रवेश के लिए सीढ़ियां बनी हैं। गुफा में प्रवेश करते ही एक बड़ा बरामदा मिलता है, जिसे देख ऐसा लगता है इसके दीवारों पर बड़ी-बड़ी प्रतिमाएं लगीं रही होंगी। नष्ट हुई प्रतिमाओं के बचे अवशेष को देख उनके आकार का अंदाज लगाया

जा सकता है। गुफा के प्रथम चरण को पार कर मुख्य चरण में जाने के बाद दिखता है कि पहाड़ को अंदर से काट कर वहाँ 20 खंभों वाला एक बहुत बड़ा हाल बनाया गया है, जिसकी परिक्रमा के लिए हाल के अन्दर रास्ता है। हाल के बीच में एक चौकोर प्लेटफार्म बनाया गया है, जिसके बीच में एक नक्काशीदार मंदिर बना हुआ है, जिसमें जोगेश्वरी देवी की पूजा होती है। ऐसा कहा जाता है कि जोगेश्वरी देवी के नाम पर ही इस क्षेत्र का नाम जोगेश्वरी पड़ा है।

जोगेश्वरी गुफा को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा राजपत्र की अधिसूचना- 2704 ए, दिनांक- 26-05-1909 राष्ट्रीय महत्व का स्मारक घोषित किया गया है। 13 वीं सदी तक गुफा के अग्र मंडप, मुखमंडप और गर्भगृह में पूजा-अर्चना होती रही, जो मुस्लिम और फिर पुर्तगाली शासनकाल में बंद हो गयी। किंवदंती है कि अज्ञातवास के दौरान पांडव जोगेश्वरी की गुफाओं में शरण ली थी। कई भूत-प्रेत की घटनाओं पर आधारित फिल्मों की शूटिंग का स्थान रह चुकी जोगेश्वरी गुफा चारो ओर से खुली है, जिसे देखने के लिए चारों तरफ से लोग बिना रोकठोक आते जाते हैं। गुफा के ऊपरी और गुफा के अंदर के बाहरी हिस्से में इतनी अधिक गंदगी है कि यहां आने वाले लोगों को नाक दबाकर आना-जाना पड़ता है। गुफाओं के आसपास रहने वाले गुफा परिसर का शौचालय, डंपिंग ग्राउंड और स्टडी रूम के रूप में इस्तेमाल करते हैं। ऊंची इमारतों के निर्माण में इस्तेमाल मशीनरी और खुदाई से गुफा की दीवारों और खंभों में दरारें पड़ गई है जिससे गंदे पानी के रिसाव से मंदिर का शिल्प नष्ट हो रहा है।

विद्या संग धमाल मचाने आ रहे अक्षय

अक्षय कुमार दिसंबर में भी बड़े पर्दे पर दर्शकों को फुल एंटरटेनमेंट की डोज देने की तैयारी कर रहे हैं। दरअसल अक्षय कुमार और निर्देशक अनीस बज्मी एक फैमिली एंटरटेनिंग फिल्म के लिए साथ छाने की तैयारी में हैं। दिलचस्प बात ये है कि इस अनटाइटल कॉमेडी फिल्म की ऑफिशियल रिलीज डेट भी अनाउंस कर दी गई है। अक्षय कुमार और अनीस बजमी की अपकमिंग फिल्म की केरल में शूटिंग का एक अहम शेड्यूल हाल ही में पूरा हुआ है और आने वाले दिनों में मेकर्स अक्षय कुमार की एक नई तस्वीर जारी करने वाले हैं। श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन द्वारा निर्मित इस फिल्म में अक्षय कुमार और विद्या बालन लीड रोल में नजर आएंगे। साथ ही साथ ही विजय राज और सुदेश लहरी के साथ राशि

खन्ना भी एक अहम भूमिका निभाती हुई नजर आएंगी। फिल्म के बारे में अभी तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन अक्षय कुमार और अनीस बाज्मी के कोलैबोरेशन ने पहले ही काफी चर्चा बटोर ली है। अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एयरपोर्ट से एक फोटो भी शेयर की है, जिसमें वो विद्या बालन और राशि खन्ना के साथ पोज देते नजर आ रहे हैं। कैप्शन में लिखा है, केरल का शेड्यूल पूरा हुआ। खूबसूरत जगह पर अच्छे लोगों के साथ काम करने का कोई मुकाबला नहीं, हमारे निर्देशक अनीस बज्मी को कैमरे के पीछे की उनकी मस्ती के लिए और मेरी शानदार को एक्ट्रेस विद्या, राशि, छोटा राजपाल और पूरी टीम को बहुत-बहुत थैंक्यू, यह शेड्यूल बहुत खास रहा। फिल्म का प्रोडक्शन वर्क तय शेड्यूल पर चल रहा है। दिलचस्प बात ये है कि अक्षय स्टारर और अनीस निर्देशित इस फिल्म को साउथ के बड़े फिल्म मेकर दिल राजू बना रहे हैं। उनके प्रोडक्शन हाउस श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया पेज पर इस अनटाइटल्ड फिल्म की रिलीज डेट अनाउंस की है।

खत्म हुई अक्षरा और आम्रपाली की अनबन

अक्षरा सिंह और आम्रपाली दुबे के बीच की अनबन अब ठीक होती नजर आ रही है। दोनों सालों के बाद एक साथ नजर आई। अक्षरा सिंह ने सोशल मीडिया पर आम्रपाली के साथ कई फोटोज शेयर की है। अक्षरा सिंह से आम्रपाली दुबे का रिश्ता बहनों के जैसा था। दोनों काफी करीबी दोस्त थी, लेकिन दोनों के बीच अचानक सब बदल गया। आम्रपाली दुबे और अक्षरा सिंह की दोस्ती में दरार तब आई थी, जब पवन सिंह के साथ अक्षरा का रिश्ता टूटा था। पवन सिंह ने अक्षरा को छोड़कर अचानक दूसरी शादी करने का फैसला किया था। आम्रपाली ने एक इंटरव्यू में बताया कि पवन सिंह की शादी के वक्त वो अक्षरा के साथ खड़ी थी, लेकिन बाद में गलतफहमी के कारण दोनों के बीच नाराजगी हो गई, जो अब दूर हो गई है। अक्षरा सिंह ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर आम्रपाली दुबे के साथ कई फोटोज शेयर की हैं। उनकी इस पोस्ट से लगता है कि अब दोनों के बीच सब ठीक है।

फिल्मों के अलावा सनी लियोनी की कमाई

सनी लियोनी एक एक्ट्रेस होने के साथ साथ कमाल की बिजनेस वुमन भी हैं। वह एक साथ 10 बड़े बिजनेस संभाल रही हैं, जिनसे उनकी करोड़ों में कमाई होती है। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार सनी लियोन करीब 98 करोड़ रुपये की मालकिन हैं। वो एक आइटम नंबर के लिए 3 करोड़ रुपये चार्ज करती हैं। साल 2019 सनी लियोनी ने ऑनलाइन मीडिया सहित कई इंडस्ट्री में प्रवेश करके अपने बिजनेस पोर्टफोलियो को बढाया था। एक्ट्रेस ने महिलाओं की फैशन और लाइफस्टाइल वेबसाइट में भी इक्विटी इन्वेस्टर बनी हैं।

सनी लियोनी ने कई रियलिटी शो में भाग लिया है और होस्ट किया है। वह एक सेलिब्रिटी बॉक्स क्रिकेट लीग टीम चेन्नई स्वैगर्स की मालिक हैं, जिसने एकता कपूर समर्थित रियलिटी क्रिकेट टूर्नामेंट में परफॉर्म किया था। सनी लियोनी ने दो नए ब्रांड्स लस्ट और एफेटो के साथ फ्रेगरेंस बिजनेस में भी एंट्री की। सनी का ब्रांड डिओडोरेंट, परफ्यूम और बॉडी मिस्ट ऑफर करता है। सनी लियोनी ने 2018 में गेमियाना डिजिटल एंटरटेनमेंट के साथ मिलकर तीन पत्ती नाम का ऑनलाइन गेम लॉन्च किया था। ये गेम यूजर्स को बॉलीवुड थीम के साथ अपनी प्राइवेट टेबल बनाकर तीन पत्ती खेलने का अनोखा अनुभव देता है। सनी लियोन की सोशल मीडिया पर बड़ी फैन फॉलोइंग को देखते हुए उन्होंने 2019 में कंटेंट स्पेस में कदम रखा। उन्होंने एक्ट्रेस ने जगरनॉट बुक्स के फाउंडर चिकी सरकार के साथ मिलकर स्वीट ड्रीम्स नाम से 12 एरोटिक शॉर्ट स्टोरी का कलेक्शन तैयार किया, जो जगरनॉट ऐप पर उपलब्ध है। सनी लियोनी ने अपने पति डेनियल वेबर के साथ मिलकर प्रोडक्शन हाउस सनसिटी मीडिया एंड एंटरटेनमेंट शुरू किया। 2015 में उन्होंने प्रोड्यूसर के तौर पर भी अपनी नई पारी की शुरूआत की। टैलेंट मैनेजमेंट के साथ उन्होंने अपने इस बिजनेस को भी बढ़ाया। सनी लियोनी ने 2018 में अपना एक कॉस्मेटिक ब्रांड लॉन्च किया था, जिसका नाम स्टार स्ट्रक है। इससे सनी लियोनी को करोड़ों की कमाई होती है। बाद में एक्ट्रेस ने पति डेनियल के साथ इनरवियर ब्रांड इनफेमस लॉन्च किया था। सनी लियोनी यूके बेस्ड सॉकर टीम लेस्टर गैलेक्टिकोज की को ऑनर भी हैं। साल 2019 में उन्होंने इस टीम में हिस्सेदारी खरीदी थी। सनी लियोनी ने 2021 में डिजिटल प्रॉपर्टी में निवेश करते हुए एनएफटी स्पेस में कदम रखा और अपने खुद के एनएफटी भी लॉन्च किए। इसके बाद उन्होंने अपना ई-प्लेटफॉर्म आई ड्रीम ऑफ सनी भी लॉन्च किया।

मौनी रॉय और सूरज नांबियार का तलाक

मौनी रॉय की सूरज नांबियार संग चार साल की शादी टूट गई है। बीते दिन से मीडिया में दोनों के सैपरेशन की खबरें फैली हुई थी। दरअसल फैंस ने नोटिस किया था कि इस जोड़ी ने एक दूसरे को इंस्टा पर अनफॉलो कर दिया है। यहां तक कि सूरज ने मौनी संग शादी की सारी तस्वीरें भी सोशल मीडिया से डिलीट कर दी थी। बाद में सूरज ने अपने इंस्टा भी डिएक्टिवेट कर दिया। सूरज ने इंस्टाग्राम पर एक ज्वाइंट नोट जारी कर बताया कि वे अपनी शादी खत्म कर रहे हैं। दोनों ने इस मुश्किल समय में प्राइवेसी की मांग की है और मीडिया में चल रही खबरों पर नाराजगी भी जताई है।

इससे पहले मौनी ने बहन संग तस्वीर पोस्ट करते हुए बर्थडे विश किया था। मौनी ने इसके साथ कैप्शन में लिखा था, मेरी बहन, चाहे खुशियां हो या दुख जन्मदिन मुबारक हो, मेरी जान। तुम्हारी हाज़िरजवाबी, तुम्हारी अंदरूनी खूबसूरती और वो सब कुछ जो तुम्हें तुम बनाता है, मुझे बहुत पसंद है। मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूं! कोई भी शब्द यह बयां नहीं कर सकता कि मैं तुमसे कितना प्यार करती हूं और तुम ये बात जानती ही हो।

मौनी ने एक बार बताया था कि उनकी मुलाकात सूरज से एक क्लब में

हुई थी। जल्द ही, उनकी दोस्ती गहरी हो गई और दोनों ने डेटिंग शुरू कर दी। लॉकडाउन के दौरान मौनी दुबई में फंस गईं और लगभग सात साल तक सूरज के साथ रहीं। 2022 को दोनों ने बंगाली और मलयालम रीति-रिवाजों के अनुसार शादी की थी।

एयरपोर्ट पर स्पॉट हुई तारा सुतारिया

बॉलीवुड एक्ट्रेस तारा सुतारिया अपने स्टाइल और ग्लैमरस अंदाज के लिए अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में उन्हें एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया, जहां उनका स्टनिंग और क्लासी लुक ने सबका ध्यान खींच लिया। एयरपोर्ट पर तारा सुतारिया का ऑल ब्लैक लुक देखने को मिला। उन्होंने बेहद स्टाइलिश और पावरफुल फॉर्मल आउटफिट पहना है।

एक्ट्रेस ने ब्लैक पिनस्ट्राइप ओवरसाइज सूट पहना है, जिसमें मैचिंग वाइड-लेग पैंट्स शामिल हैं। अंदर व्हाइट शर्ट के साथ बड़ा बो स्टाइल टाई उनके लुक को क्लासिक और रॉयल टच दे रहा है। तारा सुतारिया ने इस लुक को ब्लैक सनग्लासेस और मिनिमम एक्सेसरीज के साथ कंप्लीट किया है। हाथ में स्टाइलिश ब्लैक बैग उनके पूरे आउटफिट को और भी एलीगेंट बना रहा है।

तारा सुतारिया ने मेकअप भी सॉफ्ट और नैचुरल रखा गया है, जिसमें न्यूड टोन लिप्स और ग्लोइंग स्किन उन्हें फ्रेश एयरपोर्ट-रेडी लुक दे रहे हैं। एयरपोर्ट पर तारा सुतारिया ने एक से बढ़कर एक पोज दिए। इस दौरान उन्होंने अपने फैंस के साथ फोटो भी खिंचवाई। तारा सुतारिया जल्द ही फिल्म टॉक्सिक में नजर आएंगी। इस फिल्म के होरी कन्नड़ सुपरस्टार यश हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक-गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा द्वारा 306, दिघे नगर को आप हाउसिंग सोसायटी, फितवाला रोड, एलफिन्स्टन (वेस्ट), मुंबई-40013 से प्रकाशित एवं एस आर पब्लिकेशन, मोहन अर्जुन कम्पाउंड, गाला नम्बर-8, 9, 10, घर्टनपाढा, वैशाली नगर लास्ट बस स्टॉप, नियर भारत गैस गोडाउन, दहिसर (ईस्ट), मुंबई- 400068 से मुद्रित। संपादक - गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा* RNI NO. MAHHIN/2005/16460 मो. 09320566633. (सभी विवादों का निपटारा न्यायक्षेत्र केवल मुंबई न्यायालय के अधीन होगा. *पी. आर. बी. अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

धार्मिक उग्रवाद, सह अस्तित्व, सामाजिक विघटन पर चर्चा

कॉन्क्लेव ऑफ रिलिजन्स 2026 का आयोजन

मुंबई। धार्मिक नेताओं, विद्वानों, कलाकारों, नागरिक समाज के सदस्यों और विभिन्न परंपराओं के प्रतिनिधियों ने जुहू स्थित एक पंच सितारा होटल में आयोजित कॉन्क्लेव ऑफ रिलिजन्स 2026 में भाग लिया। पवित्र धरती, साझा मानवता: संकट के दौर में धार्मिक मूल्यों पर पुनर्विचार विषय पर आयोजित इस सम्मेलन का आयोजन इंटर रिलिजियस सॉलिडैरिटी काउंसिल मुंबई की ओर से किया गया। इस कॉन्क्लेव में धार्मिक उग्रवाद, सह-अस्तित्व, सामाजिक विघटन और पर्यावरणीय जिम्मेदारी जैसे विषयों पर विभिन्न आस्थाओं के लोगों ने मिलकर चिंतन किया। कॉन्क्लेव की शुरूआत राधिका सूद नायक के अंतरधार्मिक प्रार्थना से हुई, जिसमें उन्होंने भक्ति संत रविदास की रचना बेगमपुरा प्रस्तुत की। प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए इंटर रिलीजियस सॉलिडैरिटी काउंसिल के संयोजक केशव चंद्र दास ने संस्था की स्थापना के उद्देश्य पर प्रकाश डाला।

संस्था के सह संयोजक और सेंटर फॉर स्टडी ऑफ सोसायटी एंड सेक्युलरिज्म के निदेशक इरफान इंजीनियर ने स्वामी विवेकानंद और महात्मा गांधी का उल्लेख करते हुए विभिन्न धर्मों में निहित सत्य और गरिमा को स्वीकार करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भारत उन धर्मों का भी घर है जिनके अनुयायी दुनिया में सबसे कम हैं और उन्हीं के साथ यह बड़े धर्मों का भी घर है।

रेमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित टी. एम. कृष्णा ने इतिहास, संगीत और संवैधानिक विचारों के माध्यम से धर्म, पहचान, राष्ट्रवाद, सामाजिक न्याय और पर्यावरणीय जिम्मेदारी जैसे विषयों पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि हम भय और घृणा के संकट से गुजर रहे हैं। प्रतीकों और पहचान पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि आज रंग भी सार्वजनिक विमर्श में ट्रिगर बन चुके हैं। अहिंसा को मानने का अर्थ यह नहीं कि हम हिंसक होना बंद कर देते हैं। उन्होंने लोगों से अपने दैनिक व्यवहार और भाषा में मौजूद हिंसा की भी समीक्षा करने का आग्रह किया। पर्यावरण और सामाजिक न्याय को एक दूसरे से अविभाज्य बताते हुए उन्होंने कहा कि आप सामाजिक न्याय के बिना पर्यावरण के लिए काम नहीं कर सकते। हम पर्यावरण से अलग नहीं हैं, बल्कि उसी का हिस्सा हैं।

दिल्ली के पूर्व उपराज्यपाल नजीब जंग ने कहा कि यह कॉन्क्लेव हमें हमारी धरती और हमारी मानवता की ओर लौटाने के लिए आवश्यक है। सांप्रदायिकता और कट्टरता के खिलाफ चेतावनी देते हुए उन्होंने प्रश्न किया कि क्या हम पवित्रता के नाम पर घृणा करने से इंकार कर सकते हैं। हमारा धर्म इस बात में झलकना चाहिए कि हम एक-दूसरे के साथ कैसा व्यवहार करते हैं।

बिशप डॉमिनिक सावियो ने कहा कि ईसाई धर्म का सार केवल एक शब्द में व्यक्त किया जा सकता है प्रेम। स्वामी सर्वलोकानंद महाराज ने स्वामी विवेकानंद के इस संदेश को याद किया कि सभी धर्म सत्य हैं। हाजी सैयद अंबर चिश्ती ने कहा कि इस्लाम हमें विभाजन नहीं, बल्कि जोड़ना सिखाता है।

तेजश्री इंगावले ने वारकरी परंपरा में माउली माउली कहकर अभिवादन करने की परंपरा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह हर व्यक्ति में ईश्वर को देखने की भावना से उत्पन्न होती है। डॉ. सुरिंदर कौर ने गुरु नानक की शिक्षाओं के माध्यम से मानवता की एकता पर बल दिया, जबकि वेनरेबल गेशे तेनज़िन दमछोए ने कहा कि हमारा धम्म हमारे मन के परिवर्तन का मार्ग है।

अभिनेता जॉय सेनगुप्ता ने कहा कि राजनेता धार्मिक पूर्वाग्रहों को हथियार बनाते हैं, करुणा और सेवा को हथियार नहीं बनाया जा सकता। विदुषी डॉ. जरीन शफी ने कहा कि हमें स्वयं पुल बनना होगा। सभी धर्म मानवता के उद्देश्य पर बल देते हैं।

भारत को हिन्दू राष्ट्र कहने के लिए संवैधानिक प्रमाण की जरुरत नहीं

मुंबई। आरएसएस के केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य,पूर्व सरकार्यवाह सुरेश भैयाजी जोशी ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक पहचान हिंदू धर्म से जुड़ी है, भारत हिन्दू राष्ट्र है इसे किसी प्रमाण की जरुरत नहीं है।

दादर (पूर्व) स्थित मुंबई भाजपा कार्यालय वसंत स्मृति में मिहाना पब्लिकेशन की ओर से आयोजित महाराष्ट्र राज्य खादी व ग्रामोद्योग मंडल के सभापति रविंद्र साठे लिखित पुस्तक राष्ट्रभाव के विमोचन समारोह में उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में एक हिन्दू रहेगा तो भी हिंदू राष्ट्र रहेगा। यह राष्ट्र मृत्युंजय है सभी अमृतपुत्र हैं, वीर सावरकर ने कहा था कि हिंदुत्व अनादि अनंत है इसे किसी सीमा में बांधा नहीं जा सकता है। मुगलों से पहले भी हिंदुत्व की यही स्थिति थी, अंग्रेजों के आने के बाद अंग्रेजी शैली चल पड़ी।

उन्होंने कहा कि भारत के मूल धारणा में राष्ट्र निर्माण नहीं राष्ट्र रहना चाहिए। हम राष्ट्र निर्माण नहीं बल्कि पुनर्निर्माण कर रहे हैं। पश्चिम के देशों को धर्म की जानकारी नहीं है। धर्म की परिभाषा अच्छा कर्म है, पूजा पाठ करना धर्म नहीं है। उपासना अनुष्ठान सबकी अलग है लेकिन व्यक्ति के आचरण में धर्म होना चाहिए। नागरिक सभी हैं लेकिन राष्ट्रीय होना अलग बात है। दूसरे देश में जाकर नागरिकता हासिल कर सकते हैं लेकिन राष्ट्रीय नहीं हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत का राष्ट्रवाद मानव कल्याण में है और इसमें सकारात्मक दृष्टिकोण है जबकि नेपोलियन, सिकंदर का राष्ट्रवाद साम्राज्यवादी है। उन्होंने कहा कि बाबरी मस्जिद हटाना मुसलमानों के खिलाफ नहीं बल्कि राष्ट्रवाद है। देश में कई जगहों के नाम बदले गए है जो राष्ट्रभाव की अवधारणा का हिस्सा है। इस अवसर पर भाजपा मुंबई अध्यक्ष अमित साटम, विधायक अतुल भातखलकर ने भी विचार रखे।

पालघर में स्वामीनारायण मंदिर मूर्ति प्रतिष्ठा समारोह

मुंबई। मुंबई-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित मनोर में भव्य बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर का मूर्ति प्रतिष्ठा महोत्सव भक्ति और वैदिक पवित्रता के बीच उल्लासपूर्वक संपन्न हुआ।

पवित्र मूर्ति प्रतिष्ठा विधि सद्गुरू संत पूज्य भक्तिप्रिय स्वामी पूज्य कोठारी स्वामी और सद्गुरू संत पूज्य विवेक सागर स्वामी द्वारा संपन्न की गई, जिसमें पारंपरिक वैदिक अनुष्ठानों और मंत्रोच्चार के माध्यम से मूर्तियों में दिव्य उपस्थिति का आह्वान किया गया। यह समारोह शांति, भक्ति और सांस्कृतिक उत्थान के केंद्र के रूप में इस भव्य मंदिर के आध्यात्मिक उद्घाटन का प्रतीक बना।

1,100 से अधिक भक्त और 200 से अधिक संत इस दिव्य अवसर के साक्षी बनने और इस ऐतिहासिक समारोह के गहन आध्यात्मिक आनंद का अनुभव करने के लिए उपस्थित हुए। संस्कृति, भक्ति और सद्भाव का प्रतीक 10.5 एकड़ में फैला यह मंदिर पारंपरिक नागरादी वास्तुकला का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जो जटिल शिल्प कौशल और गहरे आध्यात्मिक प्रतीकवाद का मिश्रण है

यह मंदिर केवल पूजा का स्थान नहीं है बल्कि एक जीवंत सामाजिक-आध्यात्मिक केंद्र है। ब्रह्म स्वरूप प्रमुख स्वामी महाराज की परिकल्पना के अनुसार, मंदिर जीव और जगदीश (परमात्मा) के बीच पुल का काम करते हैं जो आस्था को बढ़ावा देते हैं, संस्कृति को संरक्षित करते हैं और पीढ़ियों को नैतिक और आध्यात्मिक जीवन की ओर ले जाते हैं। पांच महाद्वीपों में 1,100 से अधिक मंदिरों का निर्माण करके, प्रमुख स्वामी महाराज की दृष्टि ने दुनिया भर में लाखों लोगों को अपनी जड़ों से जुड़े रहने, भक्ति का अनुभव करने और शाश्वत मूल्यों को आत्मसात करने में सक्षम बनाया है। उनका यह मूल विश्वास कि संस्कृति को संरक्षित करने के लिए मंदिर उसी प्रकार आवश्यक हैं जैसे समाज को चलाने के लिए संस्थाएं जरूरी हैं। यह दिव्य विरासत वर्तमान गुरु परम पूज्य महंत स्वामी महाराज के मार्गदर्शन में निरंतर आगे बढ़ रही है और ऐसी भव्य रचनाओं को प्रेरित कर रही है।

महाराष्ट्र के वन मंत्री गणेश नाईक, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा और पालघर के सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सवरा इस अवसर पर मौजूद रहे।

बिग बी ने दिया मंत्र, काम ही जीवन का सार

अमिताभ बच्चन अपने काम के प्रति अटूट समर्पण और अनुशासन के लिए जाने जाते हैं। छह दशकों से अधिक लंबे करिअर में सैकड़ों यादगार भूमिकाएं निभाने वाले बिग बी ने अपने ब्लॉग के जरिए काम को लेकर अपना दृष्टिकोण साझा किया है। 83 वर्ष की आयु में भी निरंतर सक्रिय रहने वाले बच्चन का मानना है कि काम ही जीवन का सार है।

अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में रचनात्मक सोच और काम के महत्व पर चर्चा करते हुए लिखा, काम ही जीवन का सार है। काम है तो यात्रा होगी। किसी साहसिक गंतव्य की ओर नहीं, बल्कि जीवन में आगे की ओर यात्रा। इसलिए काम करें। जीविका के लिए काम करें, अपने शरीर पर काम करें, लेकिन काम जरूर करें। उन्होंने आगे शरीर के महत्व पर जोर देते हुए कहा, इस उम्र में शरीर पर काम करना सबसे महत्वपूर्ण है। मैं सोच रहा था कि मानव शरीर को बनाने वाला निमार्ता कितना अद्भुत रहा होगा, इसकी कल्पना करना भी असंभव है।

जब तक संभव हो तब तक काम

यह पहली बार नहीं है जब उन्होंने काम के प्रति अपना जुनून जाहिर किया है। इससे पहले फरवरी में एक पोस्ट में उन्होंने लिखा था कि जब तक वे कर सकते हैं, तब तक काम करेंगे। उन्होंने कहा था, काम की अनुपस्थिति हानिकारक भावनाएं पैदा करती हैं, इसलिए काम, काम और काम. जब तक आप कर सकते हैं। एक्टर ने साल 2025 में कौन बनेगा करोड़पति के 17वें सीजन की मेजबानी की थी। सीजन के समापन पर उन्होंने दर्शकों के लिए एक बेहद भावनात्मक संदेश साझा किया था। उन्होंने कहा, मैंने अपने जीवन का एक-तिहाई से अधिक हिस्सा आप सभी के साथ बिताया है और यह मेरे लिए एक बड़ा सौभाग्य रहा है। कभी-कभी हम किसी पल को इतनी गहराई से जीते हैं कि जब वह खत्म होने वाला होता है, तो ऐसा लगता है कि यह अभी तो शुरू हुआ था।

आगामी प्रोजेक्ट्स

वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार नाग अश्विन की ब्लॉकबस्टर फिल्म कल्कि 2898 AD में देखा गया था। अश्वत्थामा के रूप में उनके दमदार अभिनय ने पूरी दुनिया का दिल जीत लिया और फिल्म ने 1,000 करोड़ रूपए से अधिक का कलेक्शन किया। फिलहाल वे इस फिल्म के सीक्वल की शूटिंग में व्यस्त हैं।

गलत जानकारी देने पर किसान पर लगाया जुर्माना

पुणे। लोणावला इलाके के एक किसान द्वारा पुणे जिलाधिकारी को लगभग 200 करोड़ रुपये मूल्य के एक लाख सागवान (टीक) पेड़ों को इनाम के रूप में देने की पेशकश करने से प्रशासनिक स्तर पर हलचल मच गई है। किसान का आरोप है कि अदालत में गलत जानकारी पेश किए जाने के कारण उन पर 30 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। इसी जुमार्ने को चुकाने और जिले में कथित भ्रष्टाचार रोकने के लिए उन्होंने इन पेड़ों की बिक्री से मिलने वाली राशि उपयोग करने की मांग की है। लोणावला निवासी प्रकाश मिसरीमल पोरवाल ने पुणे के जिलाधिकारी डॉ. जितेंद्र डुडी को एक विस्तृत पत्र भेजा है। उनके अनुसार, 1993 के मुंबई बम धमाकों के आरोपी युसुफ लकड़ावाला से जुड़े एक मामले में राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) में याचिका दायर की गई थी। इस मामले की सुनवाई के दौरान 11 अगस्त 2025 को जिलाधिकारी द्वारा अदालत में कथित रूप से गलत हलफनामा दाखिल किया गया, जिस पर न्यायालय ने पोरवाल पर लोणावला नगर परिषद को 30 लाख रुपये का जुमार्ना लगाने का आदेश दिया।

पोरवाल ने दावा किया है कि वे पूरी तरह खेती पर निर्भर हैं और उनके लिए 30 लाख रुपये का जुमार्ना भरना संभव नहीं है। उन्होंने बताया कि लगभग 30 साल पहले उन्होंने रायगढ़ जिले के सुधागड (पाली) तहसील के आमगोरी गांव में अपने खेत में एक लाख सागवान के पेड़ लगाए थे। इन पेड़ों का वर्तमान बाजार मूल्य करीब 200 करोड़ रुपये से अधिक बताया जा रहा है। उन्होंने प्रस्ताव दिया है कि ये सभी पेड़ जिलाधिकारी कार्यालय को सौंप दिए जाएं।

रजनीकांत को जब किसी ने पहचाना नहीं

सुपरस्टार रजनीकांत हाल ही में आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के 45 साल और श्री श्री रविशंकर के 70वें जन्मदिन पर हुए एक खास इवेंट का हिस्सा बने थे। इस इवेंट पर उन्होंने बताया कि कैसे एक घटना ने उनका पूरा नजरिया बदल दिया।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में रजनीकांत अपने ट्रेडमार्क मजेदार अंदाज में अपना आध्यात्मिक अनुभव शेयर करते नजर आए। रजनी ने बताया कि वो आध्यात्मिक गुरु रविशंकर के आश्रम में दो दिन रुकने का मन बनाकर आए थे, लेकिन 15 दिन के लिए रुक गए। आश्रम में रहने के दौरान एक शाम रविशंकर ने रजनीकांत से कहा कि अगले दिन कोई शुभ अवसर है और वो अपने फॉलोअर्स को दर्शन देने के लिए जा रहे हैं। उन्हें भी साथ चलना चाहिए। मैंने कहा कि गुरुदेव, मैं साथ आऊंगा तो आपको बहुत डिस्टर्बेंस होगी। मुझे लगा कि जाहिर सी बात है, लोगों को पता चलेगा कि रजनी आया है तो लोग एक्साइटेड हो जाएंगे। ऑटोग्राफ, फोटोग्राफ यही सब शुरू हो जाएगा। मैंने वहां बहुत सारे तमिल लोग भी देखे थे। मुझे लगा कि यार क्या करूं, गुरुदेव ने कहा है तो चलना पड़ेगा। हम पहुंचे, मंच पर बाईं तरफ वो बैठे थे और दाईं तरफ मैं। दूर तक हजारों भक्त थे। मैं सच बता रहा हूं, बिल्कुल भी झूठ नहीं, एक भी आदमी ने मेरी तरफ नहीं देखा। उन्होंने कहा कि फोटो-सिग्नेचर तो दूर, एक भी आदमी ने न उन्हें देखा और न उनसे बात की। मैं उन्हें देखकर हाथ हिला रहा था। मैंने बहुत नेताओं और उद्योगपतियों से मुलाकात की है। मगर इस घटना ने मेरा ईगो चकनाचूर कर दिया।

रजनीकांत पिछले साल सुपरहिट फिल्म कुली में नजर आए थे। इसके बाद वो जेलर 2 और तमिल इंडस्ट्री में अपने साथी कमल हासन के साथ एक फिल्म में नजर आएंगे। जहां कमल हासन वाली फिल्म का शूट शुरू हो चुका है, वहीं जेलर जून में रिलीज के लिए तैयार है। इस फिल्म में रजनीकांत के साथ कैमियो रोल में मलयालम सिनेमा के सुपरस्टार मोहनलाल, बॉलीवुड आइकॉन मिथुन चक्रवर्ती और कन्नड़ सुपरस्टार शिवा राजकुमार भी नजर आएंगे।

मौसमी रोगों से बचाती हैं नीम की पत्तियां

अपने देश में ऋतुओं के बदलने के साथ ही हमारी जीवनशैली भी बदल जाती है। इस तरह देखें तो हमारा शरीर बहुत कुछ प्राकृतिक बदलाव के साथ बदलता है। अगर हम इस बदलाव के अनुकूल नहीं चलते तो हमें कई तरह की शारीरिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है और अगर इस बदलाव को प्रकृति के साथ बदल लेते हैं, तो निरोग रहते हैं। वसंत ऋतु के बाद वातावरण में हल्की गर्मी शुरू हो जाती है। ऐसे में हवा में पराग कणों की संख्या भी बढ़ जाती है। ऐसे में इस दौरान अगर सावधानी नहीं बरती तो कई तरह की मौसमी बीमारियों के चंगुल में आ सकते हैं। इन समस्याओं से बचने के लिए नीम की कोमल पत्तियों का सेवन बहुत कारगर होता है।

आयुर्वेद में नीम की कोमल पत्तियों को सर्वरोग निवारणी कहा गया है। वसंत ऋतु में नीम के पेड़ों पर नई कोमल और हल्की कड़वी पतियां निकलती हैं, तब उन्हें विशेष रूप से औषधीय माना जाता है। यही कारण है कि इस मौसम में बहुत से स्वास्थ्य के प्रति सजग लोग नीम को कोमल पत्तियों को चबाकर खाते हैं।

आयुर्वेद के मुताबिक वसंत ऋतु में शरीर में जमा हुआ कफ पिघलने लगता है। क्योंकि शीत ऋतु में हम प्रायः दूसरे मौसमों के मुकाबले ज्यादा और गरिष्ठ भोजन करते है। इस मौसम में मेहनत भी दूसरी मौसमों के मुकाबले कम करते हैं। यही कारण है कि सर्दी के दौरान खूब खाया गया कई तरह की

स्वास्थ्य समस्याओं के रूप में हमारे सामने आता है। एलर्जी, जुकाम, त्वचा रोग, सुस्ती और पाचन संबंधी गड़बड़ियों का नाता कहीं न कहीं इस मौसम की परिस्थितियों से होता है। ऐसे में नीम की पत्तियों का खाना बहुत लाभकारी होता है।

नीम की पत्तियों का कड़वा स्वाद शरीर के भीतर जमा कफ कफ और विषैले तत्वों को कम करने में सहायक होता है। इसलिए आयुर्वेद में वसंत को शोधन यानी सफाई का मौसम कहा जाता है और इस प्रक्रिया में ही नीम की पत्तियों का सबसे बड़ा योगदान होता है।

नीम की पत्तियों में कई प्रकार के जैव सक्रिय तत्व पाए जाते हैं, ये तत्व हमारे शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। आज के समय जब प्रदूषण, असंतुलित खान-पान और तनाव, हमारी प्रतिरक्षा क्षमता कमजोर कर रहा है, तब नीम की पत्तियां पहले से कहीं ज्यादा लाभकारी साबित होती है। सबसे बड़ी बात यह है कि ये सस्ती और सुलभ प्राकृतिक औषधि रूप में हमें उपलब्ध होती है। अगर हम इस मौसम में नियमित रूप से नीम की पत्तियों का प्रतिदिन सेवन कर लें तो एक महीने का सेवन पूरे साल हमें कई तरह के शारीरिक संक्रमणों से बचाता है।

अधिकमास में 'पुरुषोत्तम' की भक्ति से संवरेंगे बिगड़े काम

हिंदू पंचांग के अनुसार इस वर्ष ज्येष्ठ मास में बना अधिक मास का दुर्लभ संयोग पूरे देश में आध्यात्मिक ऊर्जा और धार्मिक आस्था का केंद्र बनेगा। लगभग 19 वर्षों के अंतराल के बाद आए इस विशेष काल को शास्त्रों में पुरुषोत्तम मास कहा गया है, जिसे भगवान विष्णु को समर्पित माना जाता है।

दरअसल, चंद्र कैलेंडर लगभग 354 दिनों का होता है, जबकि सौर कैलेंडर 365 दिनों का। ऐसे में दोनों के बीच तालमेल बनाए रखने के लिए अधिक मास रखा जाता है, ताकि हमारे त्योहार सही मौसम में ही आएं। लेकिन यह सिर्फ कैलेंडर ठीक करने के लिए ही नहीं है। धार्मिक दृष्टि से यह महीना बहुत खास माना जाता है। इसे भगवान विष्णु (पुरुषोत्तम) को समर्पित किया जाता है। 15 जून तक चलने वाला यह काल धार्मिक दृष्टि से अत्यंत शुभ और फलदायी माना जा रहा है, जिसमें पूजा, जप, तप और दान का महत्व कई गुना बढ़ जाता है। इस वर्ष ज्येष्ठ माह करीब 59 दिनों तक चलेगा। इसका कारण ज्येष्ठ में पड़ रहा अधिक मास (पुरुषोत्तम मास) है, जिससे वर्ष में कुल 13 महीने हो जाएंगे और आषाढ़ का आगमन भी विलंब से होगा।

ज्येष्ठ का क्रम दो मई से 29 जून तक चलेगा। दो से 16 मई तक कृष्ण पक्ष, 17 मई से 15 जून तक अधिक मास और 16 से 29 जून तक शुक्ल पक्ष रहेगा। यह व्यवस्था सौर वर्ष (365 दिन) और चंद्र वर्ष (354 दिन) के बीच संतुलन बनाने के लिए हर दो-तीन साल में की जाती है, ताकि ऋतुएं और त्योहार अपने समय पर बने रहें। अधिक मास का अर्थ है अतिरिक्त महीना, जो तिथियों की घट-बढ़ से बनता है। भारतीय ज्योतिष शास्त्र में प्रत्येक माह में 15-15 दिन के दो पक्षकाल होते हैं। प्रथम 15 दिन कृष्ण पक्ष तथा दूसरे 15 दिन शुक्ल पक्ष कहलाते हैं। प्रतिदिन तिथियों का गणित घंटे, मिनट, घटी, पल, कला, विकला आदि की गणना पर निर्भर रहता है। साल भर में ऐसे कई दिन रहते हैं, जब तिथि घटती बढ़ती है। तिथियों की इन्हीं घट बढ़ से अधिक मास की संरचना होती है।

भगवान विष्णु का प्रिय महीना

अधिक मास को भगवान विष्णु का प्रिय महीना माना जाता है, जिसे पुरुषोत्तम मास भी कहा जाता है। इस दौरान व्रत, दान, पूजा, जप और तीर्थ स्नान का विशेष महत्व होता है। विष्णु धर्मोत्तर पुराण में अधिक मास का विशेष महत्व बताया गया है। पुराण के अनुसार अधिक मास में गुरु दीक्षा लेना, इष्ट की आराधना करना, तीर्थ स्नान व दान पुण्य करना, भागवत कथा का श्रवण करना, भगवत भजन करना, तीर्थ पर कल्पवास करना चाहिए। अधिक मास में सबसे अधिक महत्व भगवान विष्णु की आराधना का बताया गया है। पुरुषोत्तम मास में भगवान विष्णु की आराधना करने से महापुण्य की प्राप्त होती है।

व्रत, दान और तीर्थ स्नान का विशेष महत्व

इस वर्ष नव संवत्सर का राजा गुरु और मंत्री मंगल हैं। यह योग देश में आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति और राष्ट्रीय एकता को मजबूती देने वाला माना जा रहा है। साथ ही शिक्षा, न्याय व्यवस्था और धार्मिक गतिविधियों में भी सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल सकता है। इसके साथ ही विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ, श्रीमद्भागवत कथा श्रवण और भागवत का अध्ययन विशेष पुण्य दायक बताया गया है। इस महीने में लोग मुख्य रूप से धार्मिक और आध्यात्मिक कार्य करते हैं। भगवान विष्णु की पूजा और मंत्र जाप धार्मिक कथाएं सुनना। दान-पुण्य करना, मंदिरों और तीर्थ स्थलों की यात्रा, पेड़ लगाना और समाज सेवा करना। इन कार्यों से शांति, पुण्य और भगवान का आशीर्वाद मिलता है। इस अवधि में विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन, नामकरण और नए कार्यों की शुरूआत जैसे सभी मांगलिक कार्य वर्जित रहते हैं।

कृष्ण ने बना दिया पुरुषोत्तम मास

पौराणिक कथाओं के अनुसार अधिक महीने में सूर्य संक्रांति ना होने के कारण इस महीने को मलमास कहा गया जिसमें कोई भी शुभ कार्य अथवा मांगलिक कार्य करने का निषेध किया गया है। जिस समय इस अधिक मास की उत्पत्ति हुई उस समय इस अधिक मास का कोई भी स्वामी नहीं था जिसके कारण जो 12 महीने पहले से अस्तित्व में थे उन्होंने अधिक मास का तिरस्कार किया और जिस कारण से अधिक मास दुखी होकर श्री हरि के शरण में गया और अपनी कथा सुनाई।

अधिक मास की व्यथा सुनकर श्री कृष्णा बहुत व्यथित हुए और उन्होंने अधिक मास को यह वरदान दिया कि आज से मुझ में जितने गुण हैं वह सब भी तुम्हें प्राप्त हो तथा जिस तरह यह संसार मुझे पुरुषोत्तम के नाम से जानता है उसी तरह तुम्हें भी यह पुरुषोत्तम मास के नाम से जानेगा। श्री कृष्ण बोले मैं अपना नाम तुम्हें देता हूं और आज से मैं तुम्हारा भी स्वामी होता हूं। मेरे इस नाम को पाकर यह अधिक मास सभी महीनों का राजा होगा। जो भी व्यक्ति अधिक

मास में पूजा पाठ एवं व्रत करेगा उसके सभी दुख दूर होंगे और मनुष्य की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होंगी साथ ही इस महीने में जो भी पुण्य किया जाएगा, उसका फल करोड़ों गुना हो जाएगा और यह मोक्ष प्रदान करता है। जो लोग इस महीने में स्नान, जप तप या दान नहीं करते वे लोग इस जन्म मरण के चक्र से कभी मुक्त नहीं हो पाते। जो स्त्रियां अधिक मास में पूजा एवं दान करती हैं उन्हें धन, धान्य, अखंड सौभाग्य एवं संतान सुख अवश्य ही प्राप्त होता है। इसलिए सभी मनुष्य को इस मास में पूजा-पाठ, जप-तप और अपनी शक्ति के अनुसार जरूरतमंदों को दान अवश्य करना चाहिए। अधिक मास में श्री कृष्ण और राधा जी की पूजा हर दिन करनी चाहिए तथा श्री कृष्ण के मंत्रों का तुलसी की माला पर जाप अवश्य ही करना चाहिए। अधिक मास में व्रत करने का बहुत अधिक महत्व है अगर महीने भर व्रत करना संभव न हो तो कम से कम आखिरी 3 दिन व्रत करें वह भी संभव न हो तो एक दिन या एक एकादशी को व्रत जरूर करें।

सखुआ : मजबूत निर्माण में भरोसेमंद लकड़ी

सखुआ झारखंड का राजकीय वृक्ष है। यह जनजातीय संस्कृति, पारिस्थितिकी और अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसे एक पवित्र वृक्ष के रूप में पूजा जाता है, जो सरहुल जैसे अनुष्ठानों का अभिन्न अंग है। इसके पत्तों की थाली, लकड़ी और औषधीय उपयोगों के माध्यम से आजीविका प्रदान करता है। सखुआ के पत्तों का उपयोग पारंपरिक रूप से पारंपरिक भोजन परोसने में किया जाता है।

सखुआ की लकड़ी को सबसे मजबूत और भरोसेमंद लकड़ियों में गिना जाता है। सखुआ लकड़ी की असाधारण मजबूती के कारण इसे 100 साल खड़ा, 100 साल पड़ा, 100 साल गड़ा कहा जाता है। बिहार, झारखंड और असम जैसे राज्यों में इसका उत्पादन सबसे ज्यादा होता है। इसकी मजबूती इतनी ज्यादा होती है कि यह सदियों तक खराब नहीं होती है। पुराने जमाने में रेल की पटरियों को भी इसी लकड़ी के भरोसे बिछाया गया था। यह लकड़ी आज भी सुरक्षित मानी जाती है।

सखुआ लकड़ी को लेकर मशहूर कहावत का मतलब इसकी असाधारण मजबूती और टिकाऊपन से जुड़ा है। सखुआ की लकड़ी से चौखट, खंभा या फर्नीचर बनाया जाए तो यह हर काम में 100 साल तक खड़ा रह सकता है। अगर लकड़ी को खुले में पड़ा छोड़ दिया जाए तब भी जल्दी खराब नहीं होती और जमीन में गाड़ देने पर भी इसकी मजबूती लंबे समय तक बनी रहती है। ग्रामीण इलाकों में पुराने घरों की छत, दरवाजे और खिड़कियों में आज भी दशकों पुरानी सखुआ लकड़ी देखने को मिल जाती है। यही कारण है कि इसे लंबे समय तक चलने वाली लकड़ी माना जाता है। पुराने समय में रेलवे लाइन के स्लीपर बनाने में भी सखुआ लकड़ी का इस्तेमाल किया जाता था। इसकी वजह यह थी कि यह भारी वजन सहने में सक्षम होती है। इतना ही नहीं, अंग्रेजों के दौर में बड़े सरकारी भवनों और कार्यालयों की सीलिंग तथा मजबूत ढांचे तैयार करने में भी इसका उपयोग किया जाता था। आज भी कई पुराने भवनों में सखुआ की लकड़ी देखने को मिल जाती है, जो वर्षों बाद भी मजबूत बनी हुई है। सखुआ की लकड़ी काफी कठोर और भारी होती है। इस पर दीमक और नमी का असर सामान्य लकड़ियों की तुलना में कम पड़ता है। यही वजह है कि इसका इस्तेमाल मुख्य रूप से चौखट, बीम, खंभे, फर्नीचर और मजबूत निर्माण कार्यों में किया जाता है। विशेषज्ञों के मुताबिक 300 साल तक इस लकड़ी की लाइफ होती है। इस लकड़ी के कारोबार से जुड़े लोगों के अनुसार अच्छी गुणवत्ता वाली सखुआ लकड़ी की कीमत बाजार में करीब 4 हजार रुपए प्रति क्यूबिक फीट या उससे अधिक तक पहुंच जाती है। इसकी मांग हमेशा बनी रहती है, क्योंकि लोग इसे लंबे समय तक चलने वाला निवेश मानते हैं। सखुआ के जंगल बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ और असम जैसे इलाकों में अधिक पाए जाते हैं। जब यह पेड़ पूरी तरह जवान हो जाते हैं तो इसकी लकड़ी बहुत मजबूत हो जाती है।

Zubaan Ke पक्के Rewards

कारपेंटर भाइयो के लिए ऑफर

EURO 7000 Wood Adhesive

15 Rs/- टोकन / पाउच + 1 पॉइंट / पाउच

25 Rs/- टोकन / पाउच + 2 पॉइंट्स / पाउच

सिर्फ 210 Points पर पाइये

American Tourister Trolley Bag Worth ₹ 8,800/- अथवा Cutter Machine अथवा Drill Machine

अथवा

अथवा

American Tourister Trolley Bag worth Rs. 8,800/-

Cutter Machine Or Drill Machine

पाइए Duffle Bag worth ₹3,800/- सिर्फ 70 Points में।

पाइए Bag + Water Bottle worth ₹3,350/- सिर्फ 100 Points में।

पाइए Symphony Tower Fan worth ₹8,799/- सिर्फ 300 Points में।

SURROUND
- Bladeless Turbo Throw TM (BLTT) Technology
- Powerful 20ft Air Throw*
- Swivel Action for Surround Air
- Consumes 135 watts* only

100 POINTS REDEEM करो और पाओ

Noise Colorfit Pulse Grand 3 Smart Watch Worth Rs. 6,999/-

~~560~~

140 POINTS REDEEM करो और पाइए

REDMI POWER BANK 20,000 MAH WORTH RS. 3,199/-

स्कन करें और पाओ

Google Play | App Store

TERMS & CONDITIONS
* इस Offer का लाभ उठान क लिए "EURO7000 DIGITAL" Application Download करें और Points Scan करें।
* यह ऑफर Limited Time क लिए ह।
* कपनी इस स्कीम को कभी भी बदलन या बद करन का अधिकार रखती है।

www.euroadhesives.com